● वर्ष : 17 ● अंक : 168 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित बुधवार 08 अप्रैल 2026

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वस्थ समाज के निर्माण का किया आह्वान

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसे सभी व्यक्तियों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की, जो दूसरों की सेवा में अथक परिश्रम करते हैं और एक स्वस्थ ग्रह की दिशा में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि एक मजबूत और सशक्त राष्ट्र के लिए स्वस्थ नागरिकों का होना अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने सभी से इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही और कहा कि देश को स्वस्थ बनाने के लिए हर स्तर पर निरंतर काम करना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स संदेश में नागरिकों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने शारीरिक व्यायाम के महत्व को दर्शाने वाला एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया- "लघुं कर्मसामर्थ्यं दीप्तोऽग्निर्मेदसः क्षयः। विभक्तघनगात्रत्वं व्यायामदुपजायते॥" प्रधानमंत्री मोदी ने इस श्लोक के माध्यम से बताया कि नियमित व्यायाम से कार्यक्षमता बढ़ती है, पाचन क्रिया बेहतर होती है, मोटापा कम होता है और शरीर मजबूत व सुडौल बनता है।

उपराष्ट्रपति, गृहमंत्री समेत कई नेताओं ने दी विश्व स्वास्थ्य दिवस की बधाई

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल) के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने मंगलवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अच्छा स्वास्थ्य एक खुशहाल, उत्पादक और समृद्ध समाज की नींव है। हम निवारक स्वास्थ्य देखभाल, संतुलित जीवन शैली और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं तक समान पहुंच को बढ़ावा देकर एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने स्वास्थ्य कर्मियों के अथक समर्पण की भी सराहना करें जो करुणा और प्रतिबद्धता के साथ मानवता की सेवा करते हैं। सभी को अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली का आशीर्वाद मिले। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य एक विकल्प है जिसे हम उचित देखभाल के साथ बनाए रख सकते हैं। सभी पर्याप्त देखभाल, स्वस्थ भोजन की आदतों और नियमित व्यायाम के माध्यम से एक स्वस्थ

और मजबूत समाज के निर्माण के लिए खुद को समर्पित कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी से संतुलित आहार, नियमित योग और व्यायाम को अपनाकर स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। भाजपा के राष्ट्रीय संयोजक नितिन नवीन ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को मजबूत करने, जागरूकता बढ़ाने और सभी के लिए संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। एक स्वस्थ समाज एक मजबूत राष्ट्र की नींव है और हम एक स्वस्थ और अधिक लचीला भारत बनाने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे।

भारत की स्वास्थ्य प्रणाली पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का उदाहरण- नड्डा

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा ने देशभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। मंगलवार को एक्स पर साझा किए अपने संदेश में नड्डा ने कहा कि भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का उदाहरण है, जो न केवल देश बल्कि वैश्विक स्तर पर भी लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में कई बड़े बदलाव हुए हैं। आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना जैसी पहल ने गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए इलाज को अधिक सुलभ और किफायती बनाया है। इन योजनाओं के माध्यम से देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। जेपी नड्डा ने इस अवसर पर डॉक्टरों, नर्सों और सभी फ्रंटलाइन स्वास्थ्यकर्मियों के योगदान को भी सराहा। उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण से ही देश की स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत बनी हुई है। उन्होंने आह्वान किया कि सरकार और समाज के सभी वर्गों से मिलकर एक स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण के लिए आगे आना चाहिए। उल्लखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 1948 में हुई थी।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

नेतन्याहू का ग्रेटर इजराइल का सपना, सारी दुनिया पर पड़ा भारी

अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया है। इस हमले की सबसे बड़ी वजह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की ग्रेटर इजरायल की सनक और सत्ता में बने रहने का एक औजार है। जिसने सारी दुनिया के लिए संकट पैदा कर दिया है। नेतन्याहू इजरायल के पहली बार 1996 में प्रधानमंत्री बने। उसके पहले सत्ता में आने के लिए और सत्ता में बने रहने के लिए उन्होंने ग्रेटर इजरायल का सपना इजरायल के लोगों को दिखाया। इजरायली संप्रभुता का विस्तार करने लेबनान, फिलिस्तीन, सीरिया, जॉर्डन, इराक, मिश्र और सऊदी अरब तक विस्तार करके ग्रेटर इजरायल के रूप में विस्तार करने के लिए वह सत्ता का उपयोग कर लोगों की धार्मिक भावनाएं भड़काकर सत्ता में बने रहना चाहते हैं।

इसके लिए उन्होंने 1996 से लेकर 2026 तक पूरी दुनिया को एक तरह से खतरे में डालकर रखा है। इस काम में अमेरिका उनके साथ है। अमेरिका और इजरायल ने मिलकर जो ताना-बाना बुना था, वह अब तार-तार हो रहा है। नेतन्याहू ने सत्ता में बने रहने और दक्षिणपंथी समूहों को एकजुट करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया। जॉर्डन, इराक, सऊदी में जरूर प्रत्यक्ष तरीके से इजरायल ने हस्तक्षेप नहीं किया लेकिन इन देशों में अमेरिका और इजरायल का प्रभाव बढ़े इसके लिए लगातार दो दशक से काम कर रहे हैं। अमेरिका की मदद से विस्तारवादी इस कार्यक्रम में नेतन्याहू ने 12 अगस्त 2025 को एक साक्षात्कार में यह भी कह दिया कि वह एक आध्यात्मिक और ऐतिहासिक मिशन पर काम कर रहे हैं। ग्रेटर इजराइल को बनाने में उनकी भूमिका अति महत्वपूर्ण है। उनकी इस घोषणा की उस समय मुस्लिम देशों ने कड़ी निंदा की थी। अमेरिका और इजरायल मिलकर लेबनान की सीमा पर लगातार हमले कर रहे हैं। फिलीस्तीन को एक तरह से खत्म कर दिया।

ईरान के साथ लगातार विवाद पैदा करते हुए ईरान को कमजोर करने का प्रयास इजरायल के प्रधानमंत्री द्वारा किया जा रहा है। जिसके कारण खाड़ी के देशों में लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है। बेंजामिन नेतन्याहू का सपना है, वह समुद्र और जॉर्डन नदी के बीच केवल इजरायली संप्रभुता होगी। इसको सफल करने के लिए वो लगातार प्रयास कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने पर उन्हें इस काम में अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के विरोध के बाद भी अमेरिका से जो सहयोग मिल रहा था उसने उनकी महत्वाकांक्षा को और भी बढ़ा दिया। जिसका परिणाम ईरान के साथ प्रत्यक्ष युद्ध के रूप में सामने आया है। पिछले कई दशकों से अमेरिका ईरान पर समय-समय पर प्रतिबंध लगाता रहा है। प्रतिबंध के कारण ईरान की आवाम को लगातार आर्थिक संकटों से गुजरना पड़ रहा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

सरकार का दावा- हर एक डिस्ट्रीब्यूटर के पास गैस पर्याप्त, प्रतिदिन बिक रहे 50 लाख सिलेंडर

नई दिल्ली। पश्चिम-एशिया सहित खाड़ी क्षेत्र में एक महीने से अधिक समय से जारी भीषण युद्ध के बीच भारत में कच्चे तेल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है। 50 लाख सिलेंडर रोज बिक रहे हैं। इन सभी पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता बनी हुई है। जिसकी वजह से किसी भी उपभोक्ता (घरेलू, कमर्शियल) को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। सिर्फ जरूरत के मुताबिक ही इन चीजों की खरीद पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। यह जानकारी सोमवार को राजधानी में आयोजित की गई अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में केंद्रीय पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने दी है। उन्होंने कहा कि आज युद्ध को करीब 35 दिन हो गए हैं। हमारी एलपीजी की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा मध्य-पूर्व से आता है। इसलिए इस संबंध में प्रभाव पड़ा है। लेकिन केंद्र ने आम लोगों की परेशानी को कम से कम करने के लिए तमाम जरूरी कदम उठाए हैं। देश में एलपीजी की सप्लाई पर्याप्त है और अतिरिक्त कार्गो के लिए कवायद जारी है। वर्तमान में किसी भी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के यहां गैस की किसी तरह की कोई कमी नहीं है। हम लगभग 50 लाख सिलेंडर रोजाना दे रहे हैं।

पांच किलो वाले एलपीजी सिलेंडर का सप्लाई कोटा हुआ दोगुना, प्रवासी मजदूरों और छात्रों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण देश में रसोई गैस की सप्लाई में हो रही परेशानी के बीच केंद्र सरकार ने 5 किलोग्राम वाले छोटे एलपीजी गैस सिलेंडर (फ्री ट्रेड एलपीजी-एफटीएल) के सप्लाई कोटे को दोगुना करने का ऐलान किया है। 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर के कोटा को बढ़ाए जाने का फायदा उन लोगों को मिलेगा, जो गांव से रोजी-रोटी की तलाश में या पढ़ने के लिए शहरों में आते हैं और खाना बनाने के लिए बिना कनेक्शन वाले इन छोटे सिलेंडर का उपयोग करते हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार 5 किलोग्राम वाले छोटे गैस सिलेंडर के कोटे को दोगुना करने के लिए पिछले महीने दो और तीन तारीख यानी दो और तीन मार्च को ओपन मार्केट में सप्लाई किए गए छोटे सिलेंडर की संख्या को आधार माना जाएगा। मंत्रालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि 5 किलोग्राम वाले छोटे एफटीएल सिलेंडर राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों को उपलब्ध कराए जाएंगे और इनकी सप्लाई सिर्फ प्रवासियों के लिए होगी। इन छोटे सिलेंडर के लिए स्थाई गैस कनेक्शन लेने की जरूरत नहीं होती है। दूर दराज के गांव से शहरों में पढ़ने के लिए या काम करने के लिए आए छात्र और प्रवासी मजदूर अपने स्थाई पता का प्रमाण देने की जगह सिर्फ मान्य पहचान पत्र दिखाकर सिलेंडर ले सकते हैं। इसके अलावा अस्थाई तौर शहर में रहने के वाले लोग यानी जिनके पास स्थाई पता नहीं होता है, वे भी इस सिलेंडर को मान्य पहचान पत्र दिखा कर ले सकते हैं।

ओम बिरला गोवा में 'सीपीए इंडिया ज़ोन 7' के पहले सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी। नई दिल्ली

संसदीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने और क्षेत्रीय विकास के साझा विजन को गति देने के लिए कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन (सीपीए) इंडिया क्षेत्र के ज़ोन 7 का पहला दो दिवसीय सम्मेलन 9 अप्रैल से गोवा की राजधानी पणजी में आयोजित होगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। लोकसभा सचिवालय के अनुसार यह सम्मेलन 2024 में सीपीए इंडिया क्षेत्र का ज़ोन 7 गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र की विधानसभाओं से मिलकर बना है। इसको 9 क्षेत्रों में पुनर्गठित किए जाने के बाद यह जोन 7 का पहला सम्मेलन है। वर्तमान में गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष इस ज़ोन के अध्यक्ष हैं। दो दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में भारत के भविष्य और क्षेत्रीय चुनौतियों से जुड़े दो महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा की जाएगी। इसमें वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवा विधायकों की भूमिका और उनकी जिम्मेदारी और जोन 7 के राज्यों के लिए व्यापार, पर्यटन, शहरीकरण, पर्यावरण और तटीय संपर्क के क्षेत्र में सुधार तथा समन्वय करना शामिल है। सम्मेलन का समापन 10 अप्रैल को होगा। समापन सत्र में गोवा के राज्यपाल पी. अशोक गजपति राजू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। साथ ही, लोकसभा अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे। यह आयोजन संसदीय सहयोग को मजबूत करने और विभिन्न राज्यों के विधायी अनुभवों को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

दिल्ली में अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण और टीओडी नीति लागू करने की घोषणा

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में लंबे समय से चली आ रही अनधिकृत कॉलोनियों की समस्या के समाधान की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। शहरी विकास को गति देने और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार ने 'एज इज वेयर इज' (जैसा है, जहां है) के आधार पर कॉलोनियों के नियमितीकरण के साथ-साथ यातायात आधारित विकास (टीओडी) योजना लागू करने की घोषणा की है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को यहां आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में इन योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में दिल्ली

की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह, मुख्य सचिव राजीव वर्मा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव डी थारा, दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एन सरवणा कुमार और एमसीडी कमिश्नर संजीव खिरवार मौजूद रहे। मनोहर लाल ने बताया कि अनधिकृत कॉलोनियों को अब बिना लेआउट प्लान की स्वीकृति के वैधता दी जाएगी और मालिकाना हक की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। दिल्ली में कुल 22 प्रकार की प्रमुख समस्याएं चिह्नित की गई हैं, जिनमें विभिन्न संस्थाओं के बीच समन्वय की कमी सबसे बड़ी चुनौती थी। दिल्ली सरकार, डीडीए, एमसीडी, एनडीएमसी, एलएनडीओ और दिल्ली जल बोर्ड के बीच अधिकारों का टकराव (ओवरलैपिंग अथॉरिटीज) होने से आम नागरिक परेशान होते थे। अब सभी संस्थाओं को एक साथ ऑन बोर्ड लाकर समाधान निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली सरकार, डीडीए और एलएनडीओ के अलग-अलग सर्कल रेट थे। इस साल एक जनवरी को जारी अधिसूचना के माध्यम से अब दिल्ली सरकार द्वारा तय सर्कल रेट को डीडीए और एलएनडीओ दोनों के लिए लागू कर दिया गया है। इससे कन्वर्जन रेट, रजिस्ट्रेशन शुल्क और लीज होल्ड संपत्तियों से जुड़ी समस्याएं सुलझ रही हैं। कन्वर्जन की प्रक्रिया को जल्द ही कैबिनेट में फाइनल कर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीओडी नीति पहले भी घोषित हुई थी और 2021 की मास्टर प्लान में इसका उल्लेख था, लेकिन कुछ अड़चनें थीं। अब नीति में बदलाव किए गए हैं। रेगुलराइजेशन के लिए 2019 में पीएम-उदय योजना के तहत मालिकाना हक देने का प्रावधान किया गया था, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ पाया।

असम, केरल और पुडुचेरी में चुनाव प्रचार थमा, 'साइलेंस पीरियड' लागू

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने असम, केरल और पुडुचेरी में चुनाव प्रचार पर रोक लगाने के लिए 'साइलेंस पीरियड' लागू कर दिया है। यह अवधि मंगलवार शाम 5 बजे से शुरू हो गई, जो संबंधित क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने से 48 घंटे पहले लागू होती है। रिप्रेजेंटेशन ऑफ द प्यूपिल एक्ट 1951 की धारा 126 के तहत इस दौरान किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार पर पूर्ण प्रतिबंध रहता है। इसके अंतर्गत उम्मीदवारों द्वारा जनसभाएं, रैलियां, जुलूस, जनसंपर्क अभियान और अन्य प्रचार गतिविधियां नहीं की जा सकतीं। आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रचार पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही बल्क एसएमएस, फोन कॉल और ऑनलाइन माध्यमों के जरिए वोट मांगना भी प्रतिबंधित रहेगा। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि बाहरी राज्यों से आए राजनीतिक पदाधिकारी और कार्यकर्ता, जो संबंधित राज्य के मतदाता नहीं हैं, वे प्रचार समाप्त होते ही क्षेत्र छोड़ दें। इस बीच, एमके स्टालिन ने पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि पुडुचेरी विधानसभा 14 बार राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव पारित कर चुकी है, लेकिन केंद्र सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

पश्चिम बंगाल चुनाव 2026: ओपिनियन पोल में टीएमसी और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर

कोलकाता। नई दिल्ली

टीएमसी गठबंधन को 159-169 और भाजपा गठबंधन को 120-130 सीटें मिलने की उम्मीद

पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए मतदान में ज्यादा वक्त नहीं है लेकिन ताजा ओपिनियन पोल के नतीजों ने राज्य की सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। सर्वे के अनुसार, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भले ही फिलहाल बढ़त बनाए हुए है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी उसे बेहद कड़ी टक्कर दे रही है और सत्ता की दहलीज पर खड़ी नजर आ रही है। आंकड़ों के मुताबिक, टीएमसी को 43.7 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है, जबकि बीजेपी 39.7 प्रतिशत वोट शेयर के साथ उसके ठीक पीछे है। सीटों के लिहाज से टीएमसी गठबंधन को 159 से 169 सीटें मिलने का अनुमान है, जो बहुमत के आंकड़े से ऊपर है। वहीं, बीजेपी गठबंधन भी 120 से 130 सीटें जीतने की उम्मीद कर रहा है। सर्वे यह भी बताता है कि यदि बीजेपी अपने वोट शेयर में सिर्फ पांच फीसदी का इजाफा कर लेती है, तो वह राज्य में सरकार बना सकती है। मुख्यमंत्री पद के लिए ममता बनर्जी अभी भी सबसे लोकप्रिय चेहरा बनी हुई हैं, जिन्हें 44.4 प्रतिशत लोगों का समर्थन प्राप्त है।

मणिपुर के बिष्णुपुर में बम धमाका, दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत से इलाके में भारी तनाव

इंफाल। नई दिल्ली

मणिपुर के बिष्णुपुर जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ ट्रोंगलाओबी अवांग लेइकाई इलाके में मंगलवार तड़के हुए एक भीषण बम विस्फोट में दो मासूम बच्चों की जान चली गई। इस दुखद हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में भारी तनाव व्याप्त है और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। फिलहाल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की गहन जांच में जुटी हैं। जानकारी के अनुसार, यह शक्तिशाली विस्फोट रात लगभग 1:05 बजे एक रिहायशी घर के भीतर हुआ। उस वक्त घर में एक महिला अपने दो बच्चों के साथ सो रही थी। धमाका इतना जबरदस्त था कि सो रहे 5 वर्षीय मासूम बालक और उसकी मात्र 5 महीने की छोटी बहन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हमले में बच्चों की मां को भी चोटें आई हैं, हालांकि उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रारंभिक संदेह के आधार पर इस कायराना हमले के पीछे उग्रवादियों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन आधिकारिक तौर पर अभी इसकी पुष्टि होना बाकी है। इस घटना की खबर फैलते ही इलाके में कोहराम मच गया। आक्रोशित स्थानीय निवासी और महिलाएं बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने मोइरांग पुलिस स्टेशन के बाहर जमा होकर अपना विरोध दर्ज कराया। लोगों ने सड़कों पर लकड़ियां जलाकर आवाजाही बाधित की और प्रशासन से हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

चाबहार बंदरगाह को लेकर भारत कर रहा ईरान-अमेरिका के साथ बातचीत

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजराइल जंग के बीच भारत दोनों देशों के साथ बातचीत में लगा है। भारत की इन कोशिशों का इस युद्ध से सीधे-सीधे कोई लेना-देना नहीं है। यह बातचीत ईरान के चाबहार बंदरगाह के प्रबंधन को लेकर हो रही है, जो भारत के राष्ट्रहित के लिए बहुत अहम है और जंग ने इसका संकट और भी बढ़ा दिया है। ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से चाबहार बंदरगाह में भारत के हित पर पहले से मंडरा रहा संकट और गंभीर हो गया है। हालांकि, अभी तक अमेरिका या इजराइल ने यहां कोई बड़ा हमला नहीं किया है, लेकिन भारत की चिंता इस बात को लेकर है कि अमेरिका ने जो भारत के लिए चाबहार बंदरगाह को लेकर प्रतिबंधों में छूट दे रखी है,

युद्ध की वजह से भारत के हित पर पहले से मंडरा रहा संकट और गंभीर हो गया

उसकी मियाद इसी महीने खत्म होने वाली है। इस मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि भारत, अमेरिका से प्रतिबंधों में छूट की सीमा बढ़ाने के लिए बातचीत कर रहा है। यह प्रक्रिया युद्ध से पहले से चल रही है। इसके साथ ही भारत सरकार ईरान से भी चर्चा कर रही है, ताकि अगर अमेरिका प्रतिबंधों में छूट की मियाद नहीं बढ़ाता है तो कोई लोकल कंपनी लीगल गारंटी देकर इसका फिलहाल संचालन करे। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के साथ लीगल गारंटी पर हो रही बातचीत का एजेंडा ये है कि अगर अमेरिका बंदरगाह पर प्रतिबंधों को खत्म कर देता है या भारत को दी गई प्रतिबंधों पर छूट की मियाद को आगे बढ़ाने के लिए राजी हो जाता है तो फिर वह लोकल कंपनी संचालन का अधिकार वापस भारत को दे देगी। चाबहार बंदरगाह में भारत का सिर्फ बहुत बड़ा निवेश ही नहीं लगा है, यह सामरिक तौर पर भी हमारे लिए बहुत अहम है, जिसके चलते इससे देश का राष्ट्रहित जुड़ा हुआ है। पिछले महीने विदेश मामलों की संसदीय समिति ने चाबहार में देशहित की सुरक्षा के लिए भारत सरकार के सभी संबंधित पार्टियों के साथ बातचीत की कोशिशों का स्वागत किया था। जनवरी में एक रिपोर्ट दी थी कि इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड चाबहार बंदरगाह के प्रबंधन के लिए किसी स्थानीय कंपनी के साथ करार कर सकता है।

सबरीमाला मंदिर मामले में सुनवाई कर रहा सुप्रम कोर्ट से सरकार ने कहा......धार्मिक मामलों में न्यायिक दखल सीमित हो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े विवाद पर मंगलवार से 9 जजों की संविधान पीठ ने सुनवाई शुरू कर दी है। यह सुनवाई इस बात पर केंद्रित है कि पूर्व के फैसले की समीक्षा की जाए या केवल उन सात संवैधानिक सवालों के जवाब दिए जाएं, जिन्हें इस मामले में संदर्भित किया गया है। सुनवाई से पहले केंद्र सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि अदालतों को धार्मिक परंपराओं में सीमित हस्तक्षेप करना चाहिए। सरकार के अनुसार, सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर रोक भगवान अयप्पा की 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' परंपरा से जुड़ी है। भगवान अयप्पा को आजीवन ब्रह्मचारी माना जाता है और इसी आधार पर यह परंपरा विकसित हुई है। सरकार ने स्पष्ट किया कि यह प्रतिबंध महिलाओं की शुद्धता या उनकी सामाजिक स्थिति से जुड़ा नहीं है, बल्कि धार्मिक मान्यताओं और पूजा-पद्धति का हिस्सा है। यदि इस परंपरा में बदलाव किया जाता है, तो इससे मंदिर की पारंपरिक व्यवस्था प्रभावित होगी और संविधान द्वारा संरक्षित धार्मिक विविधता पर भी असर पड़ सकता है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

बुजुर्ग ने खुद को गोली मारकर दी जान

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। बाहरी जिले के मंगोलपुरी थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक 80 वर्षीय बुजुर्ग ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान उमराव सिंह (80) के रूप में हुई है, जो पीतमपुरा के सुविधा कुंज इलाके में रहते थे। वह पेशे से रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े हुए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उन्होंने अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक, उमराव सिंह मूल रूप से सुल्तानपुर माजरा गांव के रहने वाले थे। उनके परिवार में दो बेटे हैं, जो रियल एस्टेट के व्यवसाय में ही कार्यरत हैं, जबकि उनकी बेटियों की शादी हो चुकी है। उनकी पत्नी का वर्ष 2013 में कैंसर के कारण निधन हो गया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मृतक लंबे समय से अस्थमा और नसों से जुड़ी बीमारी से पीड़ित थे। माना जा रहा है कि बीमारी और अकेलेपन के चलते उन्होंने यह कदम उठाया हो सकता है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से हथियार को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिया है। फिलहाल किसी प्रकार की साजिश या अन्य कारणों की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिवार के सदस्यों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार 19 वर्षीय युवक की मौत, चालक गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। बाहरी जिले के पश्चिम विहार ईस्ट इलाके में सोमवार देर रात सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए ट्रक चालक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। बाहरी जिले के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने मंगलवार को बताया कि सोमवार रात करीब 11:13 बजे थाना पश्चिम विहार ईस्ट में डीडी नंबर 122-ए के तहत एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। जिसमें पंजाबी बाग से पीरागढ़ी चौक की ओर जाने वाली सड़क पर मेट्रो पिलर नंबर 213 के पास हादसे की सूचना दी गई थी। खबर मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां एक युवक मृत अवस्था में पाया गया। उसकी पहचान कृष्ण मोहन (19) के रूप में हुई। वह पीरागढ़ी कैंप दिल्ली में रहते थे। मौके पर उसकी काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हालत में मिली। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच के दौरान पाया गया कि ट्रक नंबर जिसने टक्कर मारी थी, घटनास्थल पर ही क्षतिग्रस्त हालत में खड़ा था। स्थानीय लोगों ने चालक को मौके से भागने नहीं दिया और पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। आरोपित चालक की पहचान सौरभ कुमार (26) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि मृतक के पास कोई वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और आगे की जांच जारी है।

भाजपा ने गुजरात के लोगों पर खरगे की टिप्पणियों की निंदा की

लोकतंत्र की शान ; नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुजरात के निवासियों के बारे में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की कथित टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए इसे आपत्तिजनक बताया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि खरगे की यह टिप्पणी कि गुजराती अशिक्षित हैं, शर्मनाक और बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने सारी मर्यादा त्याग दी है। प्रसाद ने कहा कि गुजरात की साक्षरता दर 82 प्रतिशत है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसमें महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। उन्होंने मांग की कि खरगे को गुजरात की जनता से माफी मांगनी चाहिए। प्रसाद ने कहा कि एक राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा एक पूरे प्रदेश को अनपढ़ कहने का मतलब क्या है। खरगे जी को बताना चाहिए कि आप क्या गांधी जी, सरदार पटेल, विक्रम साराभाई, मोरारजी देसाई... अनपढ़ थे? जिस पावन गुजरात की भूमि ने कई महापुरुषों को जन्म दिया, गांधी जी, सरदार पटेल, विक्रम साराभाई, मोरारजी देसाई... वहां पैदा हुए और देश के लिए इतना काम किया, उसे आप अनपढ़ बता रहे हैं। गुजरात, जो कई महान हस्तियों की जन्मभूमि रहा है, उसे कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा "अनपढ़" कहा जाना बेहद आपत्तिजनक है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी इस बयान से सहमत हैं। भाजपा नेता प्रसाद ने कांग्रेस पर देश को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आखिर कांग्रेस को क्या हो गया है। खरगे जी का दूसरा वक्तव्य तो और भी आपत्तिजनक है। खरगे ने असम में कहा था कि अगर कोई जहरीला सांप आपके सामने से गुजर रहा है और आप नमाज भी पढ़ रहे हैं, तो नमाज छोड़कर उस जहरीले सांप को मारो, ऐसा कुरान में कहा गया है। और मैं यही कहूंगा कि अगर आपको नमाज छोड़नी पड़े तो परवाह नहीं यह जहरीला सांप हैं- संघ और भाजपा, अगर आप इसको नहीं मारेंगे तो आप कभी नहीं बच पाएंगे।" प्रसाद ने पूछा कि ये कौन सी भाषा है? इस तरह के बयान से देश में सांप्रदायिक तनाव पैदा कर रहे हैं। देश के अल्पसंख्यक समाज को उकसा रहे हैं और उनकी धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इस पर सोनिया गांधी को जवाब देना चाहिए कि क्या वे अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष की टिप्पणी से सहमत हैं? प्रियंका को जवाब देना चाहिए कि क्या वह इससे सहमत हैं? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की अगर समझदारी बनती है, तो इससे खुद को अलग करें, भर्त्सना करें और माफी मंगवाएं।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार भेंट की।

बैंक धोखाधड़ी मामले में ट्रायल कोर्ट से मिली सजा को पूर्व विधायक राजेंद्र भारती ने हाई कोर्ट में चुनौती दी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (हि.स.)। बैंक धोखाधड़ी मामले में ट्रायल कोर्ट से मिली तीन साल की सजा को मध्यप्रदेश के दतिया से पूर्व विधायक राजेंद्र भारती ने दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्यप्रदेश सरकार और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को करने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर कोई भी रोक लगाने से इनकार कर दिया। राजेंद्र भारती ने दोषी करार देने के आदेश पर रोक लगाने और निर्वाचन आयोग को दतिया विधानसभा

के चुनाव कराने के लिए नोटिफिकेशन नहीं जारी करने का दिशा-निर्देश जारी करने की भी मांग की है। याचिका में कहा गया है कि अगर निर्वाचन आयोग चुनाव की तिथियों की घोषणा कर देता है, तो याचिकाकर्ता के राजनीतिक करियर को काफी नुकसान होगा। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने एक अप्रैल को राजेंद्र भारती को दोषी करार दिया था और दो अप्रैल को तीन साल की कैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले के तुरंत बाद राजेंद्र भारती को मध्यप्रदेश विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। कोर्ट ने भारती के अलावा रघुवीर शरण प्रजापति को भी दोषी करार दिया था। इस मामले में राजेंद्र भारती की मां सावित्री श्याम भी आरोपित थीं, लेकिन उनकी पहले ही मौत हो गई थी। मामला 24 अगस्त, 1998 का है, जब सावित्री श्याम ने जिला सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक में तीन साल के लिए 13.5 फीसदी ब्याज के दर पर दस लाख रुपये का फिक्स्ड डिपॉजिट कराया। ये डिपॉजिट सावित्री श्याम ने श्री श्याम सुंदर श्याम जन सहयोग एवं सामाजिक विकास संस्थान के नामक ट्रस्ट के नाम से कराया। इस ट्रस्ट का गठन सावित्री श्याम के पति श्याम सुंदर श्याम ने किया था। आरोप है कि सावित्री श्याम ने इस फिक्स्ड डिपॉजिट की रकम मैच्योर होने के बजाय 1999 से हर साल एक लाख 35 हजार रुपये ब्याज लेने लगीं। फिक्स्ड डिपॉजिट की शर्तों का उल्लंघन करते हुए ब्याज लेने का सिलसिला 13 वर्ष तक 2011 में खत्म हुआ। आरोप है कि राजेंद्र भारती ने बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के निदेशक पद पर रहते हुए ब्याज की रकम अपनी मां को देने के लिए कर्मचारियों पर दबाव बनाया। इसके लिए बैंक की रसीदों, खातों और फिक्स्ड डिपॉजिट के प्रमाण पत्र से छेड़छाड़ की गई। दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर तीन वर्ष के फिक्स्ड डिपॉजिट की शर्तों को बढ़ाकर 10 साल और 15 साल किया गया। दस्तावेजों से छेड़छाड़ इसलिए की गई, ताकि ज्यादा समय तक ऊंची ब्याज दर से भुगतान हो। शिकायतकर्ता बैंक ने 29 जुलाई 2015 में मध्यप्रदेश में केस दर्ज कराया था। पहले से मामला राजेंद्र भारती और उनकी मां के खिलाफ ही दर्ज कराया गया था। बाद में प्रजापति को भी आरोपित बनाया गया। राजेंद्र भारती ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की और इसकी सुनवाई दिल्ली में ट्रांसफर करने की मांग की। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई मध्यप्रदेश से दिल्ली कर दी।

विदेश मंत्रालय ने भारत-अफ्रीका संबंधों पर सलाहकार समिति की बैठक की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत-अफ्रीका संबंधों पर विदेश मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने की। बैठक में व्यापार एवं निवेश, सुरक्षा, क्षमता निर्माण और तकनीकी सहयोग में बढ़ते संबंधों पर चर्चा की गई। बैठक में विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह और विदेश मंत्रालय के कई आला अधिकारी शामिल रहे। इस दौरान डॉ. जयशंकर ने भारत और अफ्रीका के बीच 'अटूट मित्रता' और साझा मूल्यों पर आधारित गहरे संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने जोर दिया कि भारत, अफ्रीका के विकास और समृद्धि के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्री ने दोहराया कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों और वैश्विक संस्थानों में अफ्रीका की मजबूत आवाज का समर्थन करता है। डॉ. जयशंकर ने बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा आज भारत-अफ्रीका संबंधों पर एक सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। अफ्रीका के साथ हमारे ऐतिहासिक संबंधों और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव पर प्रकाश डाला। भारत द्वारा अफ्रीकी देशों तक पहुंच बनाने के प्रयासों पर चर्चा की, जिसमें व्यापार और निवेश, एलओसी और अनुदान, क्षमता निर्माण (विशेष रूप से शिक्षा और कौशल विकास), रक्षा तथा क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग शामिल हैं। बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच शिक्षा एवं कौशल विकास

में सहयोग पर जोर दिया गया। भारत द्वारा अफ्रीकी देशों के लिए चलाए जा रहे आईटीईसी (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) कार्यक्रम और शिक्षा पहलों (जैसे ज़ांज़ीबार में आईआईटी) की सराहना की गई। इसके अलावा सांस्कृतिक आदान-प्रदान और जन-संवाद पर भी जोर दिया गया, क्योंकि अफ्रीका में मौजूद 35 लाख भारतीय प्रवासी दोनों क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी माने जाते हैं। बता दें कि भारत-अफ्रीका साझेदारी वर्तमान में 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' के एक नए और रणनीतिक चरण में है। यह संबंध अब केवल सहायता देने तक सीमित न रहकर तकनीकी सहयोग, डिजिटल बुनियादी ढांचे और सुरक्षा साझेदारी पर केंद्रित हो गया है। भारत और अफ्रीका ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2025 में यह व्यापार 103 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। यह भी सर्वविदित है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 'ग्लोबल साउथ' की आवाज बनकर उभरा है। यही वजह है कि अधिकतर अफ्रीकी देशों के साथ भारत के संबंध लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं।

श्रीलंका की जेल में बंद 30 भारतीय मछुआरों की घर वापसी

लोकतंत्र की शान

कोलंबो। श्रीलंका की जेल में बंद 30 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय और कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग की ओर से किए गए सक्रिय प्रयासों के बाद इन मछुआरों को जेल से रिहा कराया गया और भारत वापस भेज दिया गया। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा भारत के 30 मछुआरों को आज श्रीलंका से वापस भेज दिया गया है।'' उच्चायोग ने बताया कि ये मछुआरे फिलहाल स्वदेश वापसी का सफर तय कर रहे हैं। दरअसल तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाली पानी की एक संकीर्ण पट्टी 'पाक जलडमरूमध्य' दोनों देशों के मछुआरों के लिए मछली पकड़ने का एक समृद्ध क्षेत्र है। दोनों देशों के मछुआरों को कई बार अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है। हालांकि गलती से समुद्री सीमा पार करने वाले मछुआरों की भलाई के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय और भारतीय उच्चायोग प्रतिबद्ध है और अक्सर ऐसे मामलों

को श्रीलंकाई नेतृत्व और अधिकारियों के समक्ष उठाया जाता है। भारतीय अधिकारियों की नियमित राजनयिक पहल के चलते समय-समय पर मछुआरों की रिहाई और स्वदेश वापसी संभव हो पाती है। इससे पहले 14 मार्च को 14 भारतीय मछुआरों के एक समूह को श्रीलंका से चेन्नई लाया गया था। इन्हें श्रीलंकाई तटरक्षक बल ने समुद्री सीमा उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया था। भारतीय उच्चायोग के राजनयिक हस्तक्षेप से ही उनकी रिहाई संभव हो पाई थी। इसके अलावा 7 मार्च को 3 और 20 मार्च को 9 भारतीय मछुआरों की

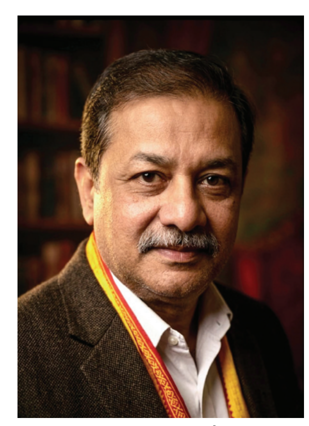

वतन वापसी सुनिश्चित हो पाई थी।

एनएचआरसी प्रमुख ने 'स्वस्थ जीवन के अधिकार' को बताया सर्वोपरि

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणियन ने खाद्य पदार्थों में मिलावट की चिंताओं के बीच 'स्वस्थ जीवन के अधिकार' को सर्वोपरि बताया। उन्होंने कहा कि दशकों से कई स्तरों पर मिलावट को रोकने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। उन्होंने हितधारकों से आग्रह किया कि वे केवल आंकड़ों पर निर्भर रहने के बजाय मिलावटी भोजन के गहन प्रभाव पर विचार करें। रामासुब्रमणियन यहां के एनएचआरसी परिसर में आयोजित 'भारत में खाद्य मिलावट से निपटनाः व्यापकता, चुनौतियां एवं सुधार' विषय पर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खाद्य पदार्थों में मिलावट से निपटने के लिए भारत के कानूनी ढांचे का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया और मद्रास मिलावट निवारण अधिनियम 1918 से लेकर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तक इसके विकास का विवरण दिया। उन्होंने कहा कि दशकों से कई स्तरों पर मिलावट को रोकने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। उन्होंने हितधारकों से आग्रह किया कि वे केवल आंकड़ों पर निर्भर रहने के बजाय मिलावटी भोजन के गहन

प्रभाव पर विचार करें। 'भोजन ही औषधि होना चाहिए' के विचार का जिक्र करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि समय के साथ यह सिद्धांत कमजोर पड़ गया है। खाद्य मिलावट निवारण अधिनियम 1954 के तहत खाद्य मिलावट के कुछ मामले आज भी अदालतों में लाए जाते हैं जो अक्सर 15 साल पुरानी रिपोर्टों पर आधारित होते हैं जिससे सबूत अप्रचलित हो जाते हैं और अभियोजन पक्ष कमजोर पड़ जाता है। उन्होंने प्रतिभागियों से सरकारी हस्तक्षेप के लिए ठोस और कार्रवाई योग्य सुझाव देने का आग्रह किया। राष्ट्रीय खाद्य संरक्षण आयोग (एनएचसीआर) के महासचिव भरत लाल ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट एक वैश्विक मुद्दा है जो मौजूदा कानूनों, नियमों और दिशा-निर्देशों के बावजूद औपचारिक और अनौपचारिक दोनों क्षेत्रों को प्रभावित करता है। एक बार मिलावटी उत्पाद आपूर्ति श्रृंखला में प्रवेश कर जाने के बाद उनका पता लगाना या उन्हें वापस मंगाना लगभग असंभव है। एक भी खराब नमूना सैकड़ों को प्रभावित कर सकता है। एनएचसी को मध्याह्न भोजन और अन्य मिलावटों से संबंधित कई शिकायतें मिली हैं और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए इन मामलों का संज्ञान लिया है। उन्होंने सभी के लिए सुरक्षित और पौष्टिक भोजन की गारंटी देने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा, प्रतिभागियों से समस्या के निदान से आगे बढ़कर सामूहिक रूप से कार्रवाई योग्य और लागू करने योग्य समाधानों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। एनएचआरसी के सदस्य न्यायमूर्ति (डॉ.) बिद्युत रंजन सारंगी ने किसानों को जमीनी स्तर पर शिक्षित करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला ताकि सुरक्षित प्रथाओं को बढ़ावा दिया जा सके और बेहतर गुणवत्ता वाले अनाज सुनिश्चित किए जा सकें। एनएचआरसी की सदस्य विजया भारती सयानी ने उल्लंघनकर्ताओं पर जुर्माना, 24 घंटे चलने वाली हेल्पलाइन, स्कूल पाठ्यक्रम में खाद्य पदार्थों में मिलावट को शामिल करना, पीड़ितों को समय पर मुआवजा देना और त्वरित शिकायत निवारण प्रणाली की मांग की। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजित पुन्हानी ने कहा कि राज्य सरकारें भी विक्रेताओं को लाइसेंस जारी करती हैं। संबंधित राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न स्तरों पर मिलावटी उत्पादों की प्रभावी निगरानी और जांच के लिए रिक्त पदों को भरने की आवश्यकता पर बल दिया। विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की उप सचिव अनुश्री राहा ने कहा कि जागरूकता बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और सुझाव दिया कि खाद्य नमूनों के परीक्षण के लिए विद्यालय प्रयोगशालाओं का उपयोग किया जाए, जिससे छात्रों और युवाओं को इस मुद्दे से परिचित होने में मदद मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता नीति विशेषज्ञ प्रो बेजोन मिश्रा ने कहा कि हितधारकों से परामर्श के माध्यम से उत्पाद मानकों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

खरगे ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी किया

लोकतंत्र की शान : संवाददाता जीशान अली

नई दिल्ली/कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए चुनावी बिगुल फूंकते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कोलकाता में प्रदेश के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया है। घोषणापत्र में कांग्रेस द्वारा महिलाओं, युवाओं, किसानों समेत विभिन्न वर्गों के लिए कई बड़ी घोषणाएं की गई हैं। इस दौरान आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस अध्यक्ष के साथ पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी महासचिव गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष शुभंकर सरकार, पूर्व सांसद प्रदीप भट्टाचार्य और सांसद ईशा खान चौधरी आदि नेता मौजूद थे। कांग्रेस की राजनीतिक लाइन स्पष्ट करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बंगाल की जनता वर्तमान में भ्रष्टाचार व ध्रुवीकरण के बीच फंसी हुई है और कांग्रेस उन्हें एक मजबूत विकल्प प्रदान कर रही है। बंगाल की जनता के सामने तीन विकल्प

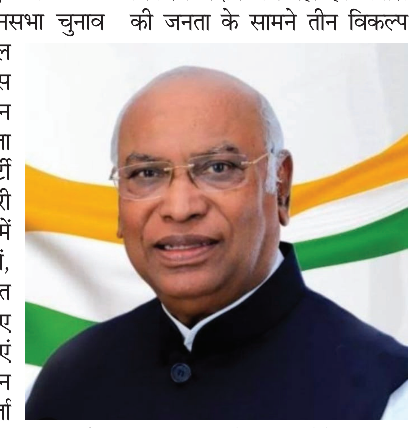

का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहला टीएमसी का रास्ता है, जहां भ्रष्टाचार का बोलबाला है। दूसरा भाजपा का रास्ता है, जहां नफरत फैलाई जाती है लोगों को धर्म के नाम पर बांटा जाता है। तीसरा कांग्रेस का रास्ता है, जो वेलफेयर, जॉब्स और सिस्टम रिफॉर्म (कर्नाटक और तेलंगाना मॉडल) की बात करता है।

बेटे ने ही पिता और चाचा को उतारा मौत के घाट, पुलिस ने किया गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। द्वारका जिले के उत्तम नगर थाना क्षेत्र में दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस हत्याकांड में मृतक के ही बेटे को आरोपित पाया गया है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शराब के नशे में हुए विवाद के बाद आरोपित ने अपने पिता और चाचा की पीट-पीटकर हत्या कर दी। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने मंगलवार को बताया कि चार अप्रैल को मोहन गार्डन स्थित एक मकान में दो लोगों के मृत पाए जाने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि देवेंद्र कुमार (50) और उनके भाई अमित (48) के शव कमरे में पड़े थे। कमरे का सामान बिखरा हुआ था और वहां शराब व बीयर की खाली बोतलें भी मौजूद थीं, जिससे प्रथम दृष्टया मामला शराब के नशे में हुए झगड़े का प्रतीत हुआ। घटना की सूचना मिलते ही क्राइम टीम और एफएसएल की टीम को बुलाया गया, जिन्होंने मौके से अहम साक्ष्य जुटाए। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि दोनों की मौत अंदरूनी चोटों के कारण हुई, जो गंभीर मारपीट के चलते लगी थीं। पुलिस उपायुक्त ने आगे बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने मकान मालिक नरेश कुमार का बयान दर्ज किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने हाल ही में यह मकान देवेंद्र कुमार को नौ हजार रुपये मासिक किराए पर दिया था। देवेंद्र अपने भाई अमित और बेटे ईश्वर के साथ यहां रहने आए थे। नरेश कुमार के अनुसार, तीन अप्रैल की रात करीब 11:30 बजे उन्हें घर में झगड़े की सूचना मिली थी। जब वह अपने बेटे के साथ मौके पर पहुंचे तो दरवाजा ईश्वर ने खोला, जो नशे में था। उन्होंने उसे समझाकर मामला शांत कराया और वापस लौट आए। लेकिन कुछ देर बाद उन्हें सूचना मिली कि ईश्वर ने अपने पिता और चाचा की हत्या कर दी है। घटना के बाद आरोपित ईश्वर फरार हो गया था। पुलिस ने लगातार प्रयास कर सात अप्रैल को उसे मोहन गार्डन इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

हिट एंड रन में 19 वर्षीय चालक की लापरवाही से कुक की मौत, आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 इलाके में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 41 वर्षीय कुक की जान चली गई। पुलिस ने इस मामले की जांच करते हुए हिट एंड रन केस में शामिल कार और उसके चालक की पहचान कर ली है। आरोपित 19 वर्षीय युवक है, जबकि वाहन उसकी मां के नाम पर पंजीकृत है। दक्षिणी जिले के पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने मंगलवार को बताया कि 31 मार्च को थाना जी.के.-1 में एक पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि बी-234, ग्रेटर कैलाश-1 के सामने एक अज्ञात सिल्वर रंग की मारुति सियाज कार ने एक मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति को तुरंत नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान सुरेंद्र दास (41) के रूप में हुई, जो ग्रेटर कैलाश-1 के ही बी-246 में रहते थे और घरेलू सहायक (कुक) का काम करते थे। पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान आसपास के सभी संभावित मार्गों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। परिवहन विभाग से संदिग्ध वाहनों का डाटा प्राप्त कर कई गाड़ियों की भौतिक जांच भी की गई और उनके मालिकों से पूछताछ की गई। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान सिल्वर रंग की मारुति सियाज के रूप में की, जिसका आंशिक रजिस्ट्रेशन नंबर सामने आया। बाद में पुलिस ने वाहन को क्षतिग्रस्त अवस्था में बरामद कर जब्त कर लिया। जांच में सामने आया कि हादसे के समय कार रुहान चड्ढा (19) चला रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि हादसे के बाद वह घबरा गया और मौके से फरार हो गया। आगे की जांच में यह भी पता चला कि वाहन को छिपाने और उसकी मरम्मत कराने की कोशिश की गई थी। पुलिस ने वाहन की मालिक निहारिका चड्ढा के खिलाफ भी साक्ष्य छिपाने और आरोपित को बचाने के आरोप में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

संक्षिप्त समाचार

"मिशन शक्ति 5.0: संभल में महिलाओं को किया गया जागरूक, चौपाल के माध्यम से दी सुरक्षा व साइबर जानकारी"

लोकतंत्र की शान : संवाददाताः सैय्यद कुमैल ज़ैदी, संभल। पुलिस अधीक्षक संभल श्री कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद में संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत थाना नखासा पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मिशन शक्ति प्रभारी महिला उपनिरीक्षक राखी सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। इस दौरान नारी सुरक्षा, आत्मनिर्भरता एवं साइबर जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा ऑनलाइन ठगी से बचाव के तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। अभियान के दूसरे चरण में दिनांक 07 अप्रैल 2026 को मोहल्ला रुकंदी सराय, नखासा चौराहा एवं आसपास के बाजार क्षेत्रों में विशेष चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। चौपाल के माध्यम से महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 1076, 112, 1090 एवं 1930 के बारे में भी अवगत कराया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं को किसी भी आपात स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। यह अभियान महिलाओं में सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

"चेयरमैन कौसर अब्बास के नेतृत्व में शिक्षा को बढ़ावा, सिरसी विद्यालय में भव्य वार्षिकोत्सव संपन्न"

लोकतंत्र की शान : संभल। प्राथमिक विद्यालय उत्तरी सिरसी में वार्षिकोत्सव एवं परीक्षा परिणाम वितरण कार्यक्रम बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी श्री विनोद कुमार मेहरा एवं एआरपी सचिन कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पंचायत सिरसी के चेयरमैन कौसर अब्बास का विद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका सरिता सागर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर चेयरमैन कौसर अब्बास ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "बच्चों की शिक्षा ही समाज और क्षेत्र के विकास की असली नींव है।" उन्होंने विद्यालय के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि नगर पंचायत सिरसी शिक्षा और विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए लगातार आगे बढ़ रही है। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। खंड शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य अतिथि द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह में श्री कमल सिंह, फरमान हुसैन, कुलदीप सिंह, मनोज कुमार, भागीरथ सिंह, श्री रविन्द्र खारी शमरून निसा, अर्चना गुप्ता सभासद कयामुद्दीन सैफी एवं इनामुल हक सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री परिवेश शर्मा द्वारा किया गया। विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऑल इंडिया सैनी सभा ने विभिन्न ग्रामों में विभिन्न मुद्दों को लेकर की चर्चा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुर: मंगलवार को ऑल इंडिया सैनी सभा के बैनर तले विभिन्न ग्रामों में विभिन्न प्रस्ताव को लेकर कल्याण सिंह सैनी की अध्यक्षता में बैठक कर चर्चा की गई बढ़ते चले की गांव धीमर खेड़ी, अगापुर उर्फ याकूबपुर, करनपुर, हसनपुर के मोहल्ला राजपूत कॉलोनी, रहरा अड्डा, ग्राम दौलतपुर , घरोट आदि ग्रामों में ऑल इंडिया सैनी सभा के बैनर चले बैठक आयोजित कर विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिसमें जनपद का नाम पुनः ज्योतिबा फुले नगर करने तथा फूले दंपति को भारत रत्न देने, यूजीसी कानून को लागू करने तथा महिला आरक्षण में पिछड़े वर्ग की महिलाओं को अलग से आरक्षण लागू करने हेतु जगह-जगह चर्चा कर मांग की गई तथा महात्मा ज्योतिबा फुले जी के 199वे जन्म दिवस पर जनपद मुख्यालय स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर 11 अप्रैल को विभिन्न बिंदुओं को लेकर चर्चा की जाएगी, प्रदेश मुखिया तथा प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा, इस मौके पर कृपाल सिंह सैनी, पियूष सैनी, राम अवतार सैनी, बबलू सैनी, रामराज सैनी, रामरतन सैनी, फूल सिंह सैनी, देवेंद्र सैनी वहीं बैठक की अध्यक्षता कल्याण सिंह सैनी एवं संचालन राजपाल सैनी जिला अध्यक्ष ने किया ।

अज्ञात चोरों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर' (उप-स्वास्थ्य केंद्र) में की तोड़फोड़

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुर : मंगलवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर' (उप-स्वास्थ्य केंद्र) में पहुंची सी एच ओ के पांव तले उसे समय जमीन खिसक गई जब उन्होंने देखा कि अज्ञात चोरों ने चोरी के साथ-साथ केंद्र में तोड़फोड़ भी की है, बताते चलें कि कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मंगरोला में असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं। यहाँ स्थित 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' (उप-स्वास्थ्य केंद्र) को बीती रात अज्ञात उपद्रवियों ने अपना निशाना बनाया। शरारती तत्वों ने न केवल स्वास्थ्य केंद्र के खिड़की और दरवाजे तोड़ दिए, बल्कि कमरे के भीतर रखी जीवन रक्षक दवाइयों को भी बुरी तरह बिखेर कर भारी नुकसान पहुँचाया। घटना का खुलासा मंगलवार सुबह उस वक्त हुआ जब केंद्र की कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (CHO) महिमा यादव ड्यूटी पर पहुँचीं। स्वास्थ्य केंद्र का नजारा देखकर वह दंग रह गईं। अंदर का सामान अस्त-व्यस्त था और तोड़फोड़ की गई थी। उन्होंने तत्काल घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। CHO महिमा यादव ने बताया कि यह इस केंद्र पर सुरक्षा में सेंधमारी की पहली घटना नहीं है। इससे लगभग एक माह पूर्व भी अज्ञात चोरों ने खिड़की तोड़कर केंद्र के भीतर रखा कीमती प्रिंटर चोरी कर लिया था। बार-बार हो रही इन घटनाओं से स्वास्थ्य कर्मियों में असुरक्षा का माहौल है और सरकारी संपत्ति को लगातार क्षति पहुँचाई जा रही है। फिलहाल, कोतवाली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि सरकारी संस्थानों को सुरक्षित रखा जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रामपुरः सिविल लाइंस पुलिस की चैन स्नैचर से मुठभेड़, आरोपी घायल

लोकतंत्र की शान,मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर : रामपुर में सिविल लाइंस पुलिस को उस समय बड़ी सफलता मिली जब बीते दिनों एसपी ऑफिस के पास हुई चैन लूट की वारदात में फरार चल रहे आरोपी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले एसपी कार्यालय के पास एक युवती से दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाश ने चैन लूट ली थी। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लगातार इलाके में चेकिंग अभियान और संदिग्धों पर नजर बनाए रखी। पुलिस चेकिंग के दौरान मुठभेड़ हुई। इस दौरान आरोपी के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने मौके पर ही उसे दबोच लिया और उसके पास से लूटी गई चैन व अवैध तमंचा बरामद किया। घायल आरोपी की पहचान संभल जिले के निवासी के रूप में हुई है, जो पिछले कई दिनों से पुलिस की गिरफ्त से बचता फिर रहा था। घायल बदमाश को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह किसी गिरोह से जुड़ा हुआ है या नहीं। इस पूरी कार्रवाई को लेकर पुलिस अधीक्षक ने टीम की सराहना की है और कहा है कि जिले में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

"सिरसी नगर पंचायत में तेज़ी से होगा विकास, चेयरमैन क़ौसर अब्बास के नेतृत्व में तैयार हुआ नया खाका"

लोकतंत्र की शान

संभल/सिरसी नगर पंचायत में बहुत जल्द बड़े स्तर पर विकास कार्यों की शुरुआत होने जा रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष क़ौसर अब्बास के नेतृत्व में एक विस्तृत विकास खाका तैयार किया गया है, जिसके तहत नगर को सुंदर और सुविधाजनक बनाने की दिशा में तेज़ी से काम किया जाएगा। बताया गया कि पूर्व में भी चेयरमैन क़ौसर अब्बास द्वारा नगर में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए गए हैं, जिनमें सड़कों का निर्माण, नालियों की व्यवस्था और पानी निकासी की बेहतर सुविधाएं शामिल हैं। उनका हमेशा प्रयास रहा है कि सिरसी को एक स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक नगर के रूप में विकसित किया जाए। इसके साथ ही सिरसी गढ़ी तिराहे पर तिरंगा झंडा स्थापित कर क्षेत्र की शान बढ़ाई गई है तथा स्टील लाइटों की बेहतरीन व्यवस्था कर रात्रि में भी प्रकाश की समुचित सुविधा सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए मैदानों का

कौसर अब्बास अध्यक्ष नगर पंचायत सिरसी जनपद सम्भल, भारतीय जनता पार्टी

विकास कराया गया है और अन्य कई जनहितकारी कार्य भी कराए गए हैं। नए विकास योजना के अंतर्गत जल्द ही सड़कों को बेहतर और मजबूत बनाया जाएगा, साथ ही हर वार्ड में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा नगर की सुंदरता बढ़ाने के लिए भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। नगरवासियों को उम्मीद है कि इस नए खाके के लागू होने के बाद सिरसी नगर पंचायत में विकास की रफ्तार और तेज होगी तथा हर वार्ड में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे पूरा नगर एक नई पहचान के साथ उभरेगा।

बहुजन समाज पार्टी ने अंबेडकर जयंती मनाने को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) द्वारा नगर के बाईपास मार्ग स्थित एक वेंकट हॉल में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती की पूर्व तैयारी के संबंध में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए आगामी 14 अप्रैल को जयंती को ऐतिहासिक रूप से मनाने का संकल्प लिया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए बसपा जिलाध्यक्ष सोमपाल सिंह एडवोकेट ने वर्तमान राजनीतिक हालातों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि "आज संविधान को खत्म कर दलितों और पिछड़ों को गुलाम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। बसपा ही दलितों, पिछड़ों, वंचितों और अल्पसंख्यकों की सच्ची हितैषी है। समाज को अब अधिक चौकन्ना होने की आवश्यकता है।" उन्होंने जानकारी दी कि इस बार 14 अप्रैल को मुख्य आयोजन लखनऊ में होगा, जिसके बाद कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में लौटकर धूमधाम से जयंती मनाएंगे। बसपा नेता मुमताज अली उर्फ हाजी भुट्टो ने कहा कि प्रदेश की जनता आज भी 'बहन जी' (मायावती) के शासनकाल को याद कर रही है, क्योंकि उस दौरान बिना किसी भेदभाव के सर्वसमाज का विकास हुआ था। उन्होंने बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके द्वारा दिए गए संविधान ने ही सबको बराबरी का दर्जा दिलाया है। कार्यक्रम के दौरान विधानसभा क्षेत्र में अंबेडकर जयंती आयोजित करने वाली विभिन्न कमेटियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन चंद्रभान सिंह द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से विधानसभा अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार गौतम, आमान चौधरी, मोमिन प्रधान, कैलाश सिंह, अफसर खान, सुनील सागर सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया 6466.37 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

लोकतंत्र की शान

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ताजनगरी आगरा को ऐतिहासिक सौगात दी। आगरा इनर रिंग रोड के समीप रहनकलां में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 6466.37 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। ब्रजभूमि को नमन करते हुए सीएम योगी ने आगरा के शहरी विस्तार को नई दिशा देने के लिए 'ग्रेटर आगरा' टाउनशिप का भूमिपूजन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह नया शहर केवल स्मार्ट ही नहीं होगा, बल्कि पूरी तरह से सुरक्षित भी होगा। सरकार का लक्ष्य आगरा को सिर्फ एक पर्यटन स्थल तक सीमित न रखकर इसे एक आधुनिक, सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। ग्रेटर आगरा जल्द ही दूसरा नोएडा बनकर उभरेगा। यहां बड़ी-बड़ी कंपनियां आएंगी, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार की 'नए शहर प्रोत्साहन योजना' के तहत आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा इस महत्वाकांक्षी टाउनशिप का निर्माण किया जाएगा। करीब 5142 करोड़ रुपये की लागत से रायपुर और रहन कलां क्षेत्र में 449.65 हेक्टेयर भूमि पर इसे विकसित किया जाएगा। इस टाउनशिप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके सेक्टरों का नामकरण गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी जैसी 10 पवित्र नदियों के नाम पर किया जाएगा। रेरा से इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल चुकी है। इसमें 10 हजार से अधिक परिवारों के लिए मल्टीस्टोरी फ्लैट्स, ग्रुप हाउसिंग, प्लॉट, आधुनिक सड़कें, सीवरेज, हरित क्षेत्र और अन्य नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह आस्था और आधुनिक शहरीकरण का एक अनूठा संगम होगा।

प्रशासन और आयोजक की लापरवाही से झूले से गिरा युवक, हालत गंभीर, हायर सेंटर रेफर, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

» लोक तन्त्र की शान में छपी खबर का सच सामने है

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। लंदन सिटी नुमाइश से रायपुर रोड स्थित, नजीबाबाद में नुमाइश का आयोजन किया गया था जिसका उद्घघाटन नजीबाबाद के व्यापारी नेता कपिल सरार्फ ने 27 मार्च 2026 को किया था। नुमाईश में लोगो के मनारंजन, खाने-पीने आदि के इंतज़ाम किये गये थे लेकिन उनमें गुणवत्ता और सुरक्षा सम्बन्धित कोई इंतजाम नही थे जिसको लोकतंत्र की शान ने अपने अंक में रविवार को प्रकाशित किया जिससे आयोजनकर्ता और प्रशासन की मुंदी हुई आंखे खुल जाये और कोई जन हानि न हो। लेकिन ना प्रशासन की आंख खुली और नाही आयोजक की जिसके चलते हुये बीती देर रात एक बड़ा हादसा सामने हो गया। नुमाईश में बड़े-बड़े झूलो लगे थे जिनमें कोई सुरक्षा के इंतज़ाम न होने के कारण झूले पर बैठा एक युवक अचानक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जलालाबाद निवासी अजीम पुत्र अनीस अपने परिवार के साथ रायपुर अड्डे पर लगी नुमाईश में घूमने आया था। इसी दौरान झूले का आनंद लेते समय वह अचानक नीचे गिर गया जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई और घायल युवक को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत नाजुक होने के चलते डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दियाए जिसके बाद एंबुलेंस के जरिए उसे ऐम्स हॉस्पिटल ऋषिकेश भेजा गया। बताया जा रहा है कि घायल युवक अजीम पेशे से रिक्शा चालक हैए जबकि उसके पिता फल की दुकान चलाते हैं।इस घटना के बाद नुमाइश में सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से झूलों की जांच और सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने की मांग की है। नुमाईश में आये युवक अजीम के साथ घटना का कौन जिम्मेदार है ? आयोजक जिसने नुमाईश आयोजन करते समय सुरक्षा गुणवत्ता अनियमताओ को ध्यान में नही रखा या प्रशासन जिसने नुमाईश में लगाये जाने वाले के नियमो अनदेखा कर रहे आयोजक पर कोई कार्यवाही नही की और अजीम के साथ गम्भीर दुर्घटना हो गई। अब देखना यह है कि आयोजक और प्रशासन की अब भी आंख खुलेगी या बड़ी घटना के बाद खुलेगी

गोरखपुर में वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय को कैबिनेट की मंजूरी

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई प्रदेश कैबिनेट की बैठक में गोरखपुर में बनने वाले 'उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय' को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने इसके लिए "उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश-2026" के प्रख्यापन को स्वीकृति प्रदान की है। 491 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से यह विश्वविद्यालय कैम्पियरगंज क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया जाएगा। योगी सरकार वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय के लिए इस वर्ष प्रस्तुत प्रदेश के बजट में भी 50 करोड़ रुपये पास कर चुकी है। गोरखपुर के इस पांचवें विश्वविद्यालय में वानिकी, औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में बीएससी, एमएससी, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य वनावरण बढ़ाना, जैव विविधता संरक्षण को मजबूत करना, किसानों और छात्रों को आधुनिक प्रशिक्षण देना तथा कृषि और पर्यावरण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। इस फैसले से प्रदेश में हरित विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जेबीएफ के मेडिकल सेंटर में लगा कैम्प

लोक तंत्र की शान

प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः गजरौला। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन (जेबीएफ) के मेडिकल सेंटर पर मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यहां ईसीजी एवं शुगर की जांच मुफ्त की गई। कुल 132 रोगियों ने पंजीकरण कराया। मंगलवार को हाईवे किनारे श्री राम धर्म कांटे के निकट स्थित जेबीएफ के मेडिकल सेंटर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में नगर के साथ ही आसपास के कई गांवों के ग्रामीण मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण कराने पहुंचे। यहां लगे कैम्प में अत्याधुनिक मशीनों से ईसीजी एवं शुगर की जांच मुफ्त की गई। जेबीएफ में चिकित्सक डा.नितिन राय ने बताया कि कुल 132 रोगियों ने पंजीकरण कराया था। वहीं जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि जुबिलेंट स्वास्थ्य के साथ ही शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, खेल, शिक्षा, स्वरोजगार आदि के क्षेत्र में भी सक्रिय रहती है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक, नारी सुरक्षा पर दिया गया विशेष बल

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी थाना हजरत नगर गढ़ी क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक संभल श्री कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे "मिशन शक्ति 5.0" अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करने का कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी संभल आलोक भाटी के मार्गदर्शन में थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी सुधीर पवार एवं मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक रश्मि मलिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की महिलाओं और बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों, हेल्पलाइन नंबरों तथा आपातकालीन स्थितियों में सहायता प्राप्त करने के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। विशेष रूप से साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए "साइबर जागरूकता" पर भी जोर दिया गया। महिलाओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया धोखाधड़ी और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया गया, ताकि वे किसी भी प्रकार के साइबर अपराध से स्वयं को सुरक्षित रख सकें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं ने पुलिस विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता अभियान समाज में सुरक्षा की भावना को मजबूत करते हैं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। पुलिस विभाग द्वारा यह भी बताया गया कि "मिशन शक्ति 5.0" के अंतर्गत जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में इसी प्रकार के कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे, जिससे हर महिला और बालिका को सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त बनाया जा सके। "नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन" के संकल्प के साथ पुलिस प्रशासन लगातार समाज में जागरूकता की नई मिसाल पेश कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

49 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गंगाब्रिज थाना क्षेत्र से 49 ग्राम हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि तेरसिया गिदरवा टोला में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कार्रवाई की गई। सदर-01 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुबोध कुमार के नेतृत्व में गंगाब्रिज थानाध्यक्ष और दंडाधिकारी की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। इस दौरान मालीपुर, नगर थाना क्षेत्र निवासी लक्की कुमार (पिता स्व. रमेश राय) को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान आरोपी के पास से 49 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। बरामद मादक पदार्थ की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इसे जब्त कर लिया है। इस मामले में गंगाब्रिज थाना में कांड संख्या 91/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस पूछताछ में आरोपी लक्की कुमार ने बताया है कि वह हेरोइन किससे खरीदता था और किन इलाकों में इसकी सप्लाई करता था। इन जानकारियों के आधार पर पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए हर स्तर पर कार्रवाई की जाएगी और किसी भी तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा।

वैशाली में अवैध हथियारों के साथ एक व्यक्ति पकड़ाया, देसी कट्टा और कारतूस बरामद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में जुड़ावनपुर थाना पुलिस ने 5 अप्रैल 2026 को अवैध हथियारों के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी कुंदन कुमार सिंह के पास से एक देशी कट्टा, एक बंदूक और आठ जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंटिव पुलिसिंग के तहत की गई। वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर सुबोध कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था, जिसमें जुड़ावनपुर थानाध्यक्ष भी शामिल थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चकसिंगार निवासी कुंदन कुमार सिंह अपने घर में अवैध हथियार छिपाकर रखे हुए हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थल की घेराबंदी की और छापेमारी की। इस दौरान चकसिंगार निवासी कुंदन कुमार सिंह (पिता बिपीन कुमार सिंह) को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक देशी कट्टा, एक बंदूक (जो तीन भागों में खुली हुई थी) और आठ जिंदा कारतूस बरामद हुए। इस संबंध में जुड़ावनपुर थाना में कांड संख्या 77/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

7 साल की बच्ची का अपहरण, मासूम को लेकर प्रेमी के साथ फरार हुई भाभी, 5 लाख फिरौती की डिमांड

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र में सात साल की बच्ची को किडनैप करना का मामला सामने आया है। किडनैपर्स ने 5 लाख रुपए की फिरौती की मांगी है। डिमांड पूरी न होने पर बच्ची की हत्या की धमकी दी है। मां ने अहियापुर थाना में एफआईआर दर्ज कराया है। पीड़िता की मां विनीता देवी, जो मूल रूप से शिवराहा चतुर्भुज इलाके की रहने वाली हैं, अपने पति के साथ तमिलनाडु की एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करती हैं। उनकी सात साल की बेटी पिछले कुछ समय से मुजफ्फरपुर के भिखनपुर स्थित अपने ममेरे भाई (भांजे) के घर पर रहकर पढ़ाई कर रही थी। बीते 31 मार्च को विनीता देवी और उनके पति अपनी बेटी को वापस ले जाने के लिए तमिलनाडु से भिखनपुर पहुंचे थे। उस रात वे अपने भांजे के घर पर ही रुके। लेकिन अगली सुबह सोकर उठने पर परिजनों ने पाया कि बच्ची गायब थी। परिजनों ने शुरुआत में अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन जब बच्ची और उसकी भाभी का कहीं पता नहीं चला, तो शक की सुई भांजे के एक पड़ोसी पर जाकर टिकी। आरोप है कि गायब हुई महिला (ममेरे भाई की पत्नी) का उस पड़ोसी के साथ कथित तौर पर प्रेम प्रसंग चल रहा था। जब बच्ची के माता-पिता उस पड़ोसी के घर पहुंचे, तो मामला और भी गंभीर हो गया। आरोपी की मां ने अपने बेटे और उसकी प्रेमिका के साथ मिलकर बच्ची को किसी अज्ञात स्थान पर बंधक बनाकर छिपा रखा है। पूछताछ करने पर आरोपी महिला ने 5 लाख रुपए की मांग की। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने साफ लहजे में धमकी दी है कि अगर उन्हें पैसे नहीं मिले, तो वे बच्ची की हत्या कर देंगे। इस कांड में पीड़िता ने तीन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, इस संबंध में अहियापुर इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष रोहन कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। तकनीकी साक्ष्यों और सूचनाओं के आधार पर आरोपी महिला और उसके सहयोगियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। बच्ची की सुरक्षित बरामदगी हमारी पहली प्राथमिकता है। फिलहाल, पुलिस प्रेम प्रसंग और रंजिश समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच को आगे बढ़ा रही है।

गैस संकट से जूझ रहा बेला इंडस्ट्रियल एरिया, 20 दिनों से टंकी-पाइप उत्पादन ठप, 90 प्रतिशत फैक्ट्रियां बंद

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के बेला औद्योगिक क्षेत्र में इन दिनों उद्योगों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक ओर जहां रॉ मटेरियल की कीमतें आसमान छू रही हैं, वहीं दूसरी ओर कॉमर्शियल एलपीजी गैस की भारी किल्लत ने फैक्ट्रियों के संचालन को लगभग ठप कर दिया है। इसका असर सबसे ज्यादा पानी की टंकी और पाइप बनाने वाली इकाइयों पर पड़ा है, जो गर्मी के मौसम में सबसे अधिक मांग में रहती हैं। उद्यमियों का कहना है कि पिछले 20 दिनों से टंकी और पाइप का उत्पादन पूरी तरह से बाधित है। पुराना स्टॉक खत्म हो चुका है और नई सप्लाई नहीं होने से बाजार में भी संकट गहराने लगा है। खासकर सरकार की नल-जल योजना से जुड़े ठेकेदार लगातार टंकी और पाइप की मांग कर रहे हैं, लेकिन फैक्ट्रियां उत्पादन करने में असमर्थ हैं। बेला स्थित कई उद्योगों में ताले लटक गए हैं। प्लास्टिक, बेकरी और अन्य गैस-आधारित इकाइयों को भी उत्पादन बंद करना पड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, क्षेत्र की करीब 90% फैक्ट्रियां या तो बंद हो चुकी हैं या उनका उत्पादन घटकर 20 से 30 प्रतिशत तक रह गया है। इसी समस्या को समझने के लिए जब भास्कर की टीम बेला स्थित श्री श्याम इंडस्ट्रीज पहुंचे, तो वहां की स्थिति काफी चिंताजनक दिखी। फैक्ट्री के मैनेजर शांतनु अग्रवाल ने बताया कि गैस की आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई है। पहले हर महीने 70 से 100 कॉमर्शियल सिलेंडर की जरूरत होती थी, लेकिन अब मुश्किल से 7-8 सिलेंडर ही मिल पा रहे हैं। इतने में मशीनें सिर्फ गर्म होती हैं, उत्पादन संभव नहीं हो पाता। पिछले 10 दिनों से यूनिट पूरी तरह बंद है। गर्मी का समय हमारा पीक सीजन होता है। इन्हीं 3-4 महीनों की कमाई से सालभर का खर्च चलता है, लेकिन इस बार हालात बेहद खराब है। उत्पादन ठप होने का सीधा असर मजदूरों पर भी पड़ा है। पहले जहां 10-15 मजदूर काम करते थे, अब सिर्फ 2-3 लोगों को ही रखा गया है, वह भी केवल देखरेख के लिए। बाकी मजदूरों को या तो वापस भेज दिया गया है या बिना काम के वेतन देना पड़ रहा है, जिससे उद्यमियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उद्यमी शांतनु ने पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन को भी फिलहाल अव्यवहारिक बताया। उनके अनुसार पीएनजी कनेक्शन लेने में करीब 10 लाख रुपए तक का खर्च आएगा, जिसमें 6 लाख रुपए केवल डिपॉजिट है। इसके अलावा मौजूदा मशीनें एलपीजी पर आधारित हैं, उन्हें बदलना पड़ेगा, जो और महंगा पड़ेगा। बेला के एक अन्य उद्यमी अवनीश किशोर ने बताया कि क्रूड ऑयल की कीमतों और गैस आपूर्ति में सुधार का इंतजार किया जा रहा है, लेकिन फिलहाल कोई ठोस समाधान नजर नहीं आ रहा। अगर स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो इसका असर लंबे समय तक उद्योग और बाजार दोनों पर पड़ेगा। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की टंकियों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कृषि टास्क फोर्स बैठकः योजनाओं की समीक्षा, अनुपस्थित अधिकारियों पर कार्रवाई, किसानों के हित में कई अहम निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा| मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय कृषि टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं संबंधित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कई अहम निर्देश जारी किए गए। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी ने जानकारी दी कि गरमा मौसम में मूंग की खेती लगभग 36,000 हेक्टेयर में की जा रही है, जिससे किसानों को अतिरिक्त लाभ मिल रहा है। साथ ही बताया गया कि जिले में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है—यूरिया, डीएपी, एमओपी सहित अन्य खाद पर्याप्त मात्रा में स्टॉक में हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि उर्वरक के भंडारण, वितरण और बिक्री की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को उचित दर पर खाद उपलब्ध हो सके और किसी प्रकार की कालाबाजारी न हो। बैठक में यह भी बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य लगभग पूर्ण कर लिए गए हैं, जबकि वर्ष 2026-27 के लिए नए लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं।

टीकाकरण एवं पशुपालन में प्रगति-जिला पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि टीकाकरण अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। वहीं, इंफ्रा डेवलपमेंट से जुड़े कार्यों में भी प्रगति दर्ज की गई है।

PMFME योजना और वसूली की स्थिति-महाप्रबंधक उद्योग ने बताया कि PMFME योजना के तहत लक्ष्य के मुकाबले सीमित स्वीकृतियां मिली हैं, जबकि मापतौल विभाग की समीक्षा में वार्षिक लक्ष्य के मुकाबले लगभग 69% वसूली दर्ज की गई है।

अनुपस्थित अधिकारियों पर सख्ती-बैठक में लघु सिंचाई प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता के बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए स्पष्टीकरण मांगने और एक दिन का वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, पौधा संरक्षण एवं कृषि विपणन विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं करने पर भी जवाब-तलब किया गया।

किसानों के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान-जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक सप्ताह चयनित गांवों में किसानों को आधुनिक खेती, उन्नत फसल तकनीक और योजनाओं की जानकारी दी जाए। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कृषि विज्ञान केंद्र, अगवानपुर के प्रतिनिधि ने बताया कि हाल ही में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 223 किसानों को प्रशिक्षित किया गया है। साथ ही विभिन्न फसलों के बीज उत्पादन कार्य भी प्रगति पर है।

सिंचाई व्यवस्था में सुधार के निर्देश-सिंचाई विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि मुख्य नहरों की सफाई (बालू हटाने) का कार्य जारी है। कार्य पूर्ण होते ही अंतिम छोर तक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, परियोजना निदेशक (आत्मा), जिला गव्य विकास पदाधिकारी, सहायक निदेशक (रसायन/पौधा संरक्षण), बैंक प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने अंत में सभी विभागों को निर्देश दिया कि समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें, ताकि जिले में कृषि विकास को नई गति मिल सके।

पटना में सरकारी क्वार्टर सील, सिलेंडर की रिफिलिंग होती थी

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में जिला प्रशासन ने सरकारी क्वार्टर कैंपस 229 को सील किया है। एक नोटिस भी लगाया है। जिसपर अनुमंडल पदाधिकारी के हवाले से लिखा है अवैध गतिविधि की सूचना पर कार्रवाई की गई है। सील को प्रशासन की उपस्थिति में ही खोला जाएगा। कैंपस के ठीक सामने सरकारी स्कूल है। बगल में वार्ड नंबर 42 के पार्षद का ऑफिस और दुकानें हैं। दुकानदार के बारे में स्थानीय युवक ने जिला प्रशासन को गैस रिफिलिंग और कालाबाजारी के बारे में सूचना दी थी। इसी आधार पर प्रशासन ने सरकारी कैंपस को सील कर दिया। कैंपस में ही सिलेंडर रखे जाते थे। मामला कदमकुआं इलाके के काजीपुर रोड नंबर-2 का है। लिंडर उतारते वीडियो आया सामने एक वीडियो सामने आया है। जिसमें बगल का दुकानदार एक पिकअप वैन से कॉमर्शियल सिलेंडर उतारते देखा जा रहा है। शिकायत करने वाले युवक का दावा है कि इसी तरीके से दुकानदार गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और रिफिलिंग करता है। फिलहाल प्रशासन की ओर से की गई कार्रवाई के बाद बगल का दुकानदार अपनी दुकान बंद करके फरार है।

40 करोड़ की जमीन के लिए चल रहा खूनी संघर्ष

♦ पटना के गोपालपुर में 2 लोगों को लगी थी गोली, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान , पटना

गोपालपुर थाना क्षेत्र के बादशाही पइन के पास सोमवार को जमीन विवाद में गोलीबारी की घटना हुई थी। इसमें ओम प्रकाश यादव और जितेंद्र कुमार को गोली लगी थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी उदय सिंह को अरेस्ट किया है। ओम प्रकाश राय की ओर से उदय सिंह और उसके दोनों बेटे गौरव सिंह और उज्जवल सिंह के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। ओम प्रकाश यादव का आरोप है कि वह अपने प्लॉट पर गए थे। इसी दौरान उदय सिंह और उनके दोनों बेटों ने गोली मार दी। गौरव सिंह और उज्जवल सिंह के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। ओम प्रकाश यादव का आरोप है कि वह अपने प्लॉट पर गए थे। इसी दौरान उदय सिंह और उनके दोनों बेटों ने गोली मार दी।

2 बीघा प्लॉट का विवादः गिरफ्तारी के बाद पुलिस की पूछताछ में उदय सिंह ने विवादित प्लॉट पर अपना दावा पेश किया है। उसने बताया है कि 31 मार्च 2026 को जमीन रजिस्ट्री कराई है। इसी जमीन पर ओम प्रकाश यादव अपना दावा पेश कर रहे हैं। मैं जमीन पर बाउंड्री वॉल कर रहा था। इसी को लेकर विवाद बढ़ा। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि 2 बीघा का प्लॉट है। ओम प्रकाश यादव ने घटना से पहले गोपालपुर थाने में उदय सिंह के खिलाफ शिकायत की थी। अभी इस पर कार्रवाई चल रही थी। पुलिस की ओर से ओम प्रकाश यादव को प्लॉट पर जाने से मना किया गया था। उससे पहले ओम प्रकाश यादव प्लॉट पर चले गए। फिलहाल उदय सिंह को अरेस्ट कर लिया गया है। इनके दोनों बेटे लाइसेंसी हथियार लेकर फरार हो गए हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इनके पास दो लाइसेंसी हथियार है। इसे कैंसल करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। वर्ष 2024 में भी उनके लाइसेंस के कैंसिलेशन का प्रस्ताव जिला प्रशासन को भेजा गया था। किस वजह से लाइसेंस कैंसिल नहीं हुआ और दोबारा इन्हें हथियार निर्गत हो गया। इसके बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

दोनों बेटे लाइसेंसी हथियार लेकर फरार हैंः घटना से पहले गोपालपुर थाने में उदय सिंह के खिलाफ शिकायत की थी। अभी इस पर कार्रवाई चल रही थी। पुलिस की ओर से ओम प्रकाश यादव को प्लॉट पर जाने से मना किया गया था। उससे पहले ओम प्रकाश यादव प्लॉट पर चले गए। फिलहाल उदय सिंह को अरेस्ट कर लिया गया है। इनके दोनों बेटे लाइसेंसी हथियार लेकर फरार हो गए हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इनके पास दो लाइसेंसी हथियार है। इसे कैंसल करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। वर्ष 2024 में भी उनके लाइसेंस के कैंसिलेशन का प्रस्ताव जिला प्रशासन को भेजा गया था। किस वजह से लाइसेंस कैंसिल नहीं हुआ और दोबारा इन्हें हथियार निर्गत हो गया। इसके बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

लंबे समय से चल रहा है विवादः ओम प्रकाश यादव और उदय सिंह के बीच में विवाद चल रहा है। जिस प्लॉट पर विवाद हो रहा है, उसकी कीमत लगभग 40 करोड रुपए है। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि उदय सिंह का भी कारोबार जमीन से जुड़ा है। उनके बेटे भी इसी काम में है।

निजी स्कूलों के लिए नए नियम लागूः NCERT अनिवार्य कोचिंग पर रोक, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

लोकतंत्र की शान

सहरसा| मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में निजी विद्यालय संचालकों के साथ एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए, जिनका पालन सभी निजी विद्यालयों के लिए अनिवार्य होगा। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया गया कि कक्षा 6 एवं उससे ऊपर की सभी कक्षाओं में अब केवल NCERT पुस्तकों से ही पढ़ाई कराई जाएगी। इस आदेश का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना सभी विद्यालयों की जिम्मेदारी होगी। साथ ही, कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को विषयों की मूल अवधारणाएं हिंदी में समझाने पर विशेष जोर देने को कहा गया, ताकि बच्चे विषय को आसानी से समझ सकें और उनकी शैक्षणिक नींव मजबूत हो। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी विद्यालय छात्रों को यूनिफॉर्म, किताबें या कॉपियां विद्यालय से ही खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा। ऐसा करना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। एक अहम निर्णय लेते हुए प्रशासन ने विद्यालय संचालन अवधि के दौरान कोचिंग संस्थानों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है, ताकि स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित न हो और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। बैठक के दौरान विद्यालयों के प्रबंधन, सुरक्षा मानकों और छात्रों की सुरक्षित आवाजाही के लिए परिवहन व्यवस्था की भी विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों को इन मानकों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। प्रशासन द्वारा जल्द ही जिला स्तर से नामित अधिकारियों के माध्यम से विद्यालयों का निरीक्षण किया जाएगा। यदि किसी भी स्तर पर निर्देशों की अनदेखी पाई गई, तो संबंधित विद्यालय के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने निजी विद्यालय संचालकों को प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए जारी निर्देशों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। इस बैठक में नगर आयुक्त प्रभात कुमार झा, अपर समाहर्ता निशांत, जिला शिक्षा पदाधिकारी हेमचंद्र, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) श्रेयांश तिवारी, वरीय उप समाहर्ता राजू कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित जेपीएस पब्लिक स्कूल, बुद्धा पब्लिक स्कूल, टैगोर पब्लिक स्कूल, शांति मिशन, बीबीसी इंटरनेशनल स्कूल, एकलव्य सेंट्रल स्कूल समेत अन्य निजी विद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इग्नूका आज 39वां दीक्षांत समारोह, 20,608 शिक्षार्थियों को डिग्री मिली

स्नातक के 11918 स्टूडेंट्स को मिला सर्टिफिकेट

लोकतंत्र की शान , पटना

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) का 39वां दीक्षांत समारोह आज मनाया गया। इसे लेकर रवीन्द्र भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां विशिष्ट अतिथि के रूप में चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति फैजान मुस्तफा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर कुल 20,608 शिक्षार्थियों को डिग्री दी गई। इनमें पीजी के 7606, स्नातक के 11,918, डिप्लोमा के 935 और सर्टिफिकेट के 149 विद्यार्थी शामिल हैं। देशभर में इग्नू के 60 क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से लगभग 2,99,092 छात्रों को डिग्री दी गई।

मुकेश कुमार ने BAKSH कार्यक्रम में स्वर्ण पदक हासिल कियाः 610 (स्नातकोत्तर कार्यक्रम), 85 (BCA) और 25 शिक्षार्थियों (BEd) को उनकी उपाधियां समारोह में व्यक्तिगत रूप से दी गई, जबकि शेष शिक्षार्थियों को कार्यक्रम में निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से दी गई। इस अवसर पर इग्नू क्षेत्रीय केंद्र पटना के शिक्षार्थी मुकेश कुमार ने BAKSH कार्यक्रम में स्वर्ण पदक प्राप्त कर क्षेत्रीय केंद्र का नाम रोशन किया। देशभर के क्षेत्रीय केंद्रों में इसे लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं, मुख्य समारोह नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में हुआ, जहां देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसका लाइव प्रसारण पटना क्षेत्रीय केंद्र के समारोह रवीन्द्र भवन में किया गया।

‘तेजस्वी मां-बहन से हस्ताक्षर करवाकर बताएं शराबबंदी गलत है’

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में शराबबंदी को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी लगातार तेज होती जा रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने हाल ही में इस मुद्दे को लेकर सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने अपने ‘X’ अकाउंट के जरिए शराबबंदी कानून पर कई सवाल उठाए हैं। तेजस्वी यादव के आरोपों पर जनता दल (यूनाइटेड) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी केवल सवाल उठा रहे हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं दे रहे। नीरज कुमार ने चुनौती देते हुए कहा कि तेजस्वी अपने परिवार से लिखित समर्थन लें। उन्होंने कहा कि तेजस्वी अपनी मां, पत्नी और बहन से हस्ताक्षर करवाकर बताएं कि शराबबंदी गलत है। जदयू प्रवक्ता ने यह भी कहा कि विपक्ष को इस मुद्दे पर अपना स्पष्ट रूख जनता के सामने रखना चाहिए। तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि राज्य में शराबबंदी पूरी तरह से विफल साबित हो चुकी है। इस कानून के चलते अवैध शराब का कारोबार तेजी से बढ़ा है। उनके मुताबिक बिहार में यह अवैध धंधा करीब 40 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। नीरज कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल पर भी निशाना साधा, उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के दौरान राजद को शराब कंपनियों से भारी चंदा मिला था। उनके अनुसार यह राशि करीब 46 करोड़ 64 लाख रुपए थी। उन्होंने मांग की कि इस फंडिंग की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

इग्नू का 39वां दीक्षांत समारोह संपन्न, सैकड़ों विद्यार्थियों को मिली डिग्री

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का 39वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को भव्य रूप से आयोजित किया गया। यह समारोह प्रातः 10:00 बजे इग्नू मुख्यालय के साथ-साथ क्षेत्रीय केंद्र सहरसा में भी सम्पन्न हुआ। सहरसा में यह कार्यक्रम एस.पी. आवास के सामने स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन उपस्थित रहे, जबकि सहरसा केंद्र के कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्णिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विवेकानंद सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत उप-निदेशक डॉ. शैलिनी दीक्षित के स्वागत भाषण से हुई। मंच संचालन ई. शुभम, विभागाध्यक्ष (कंप्यूटर साइंस), राजकीय पॉलिटेक्निक, सहरसा द्वारा किया गया। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मिर्जा नेहाल अहमद बेग ने जानकारी दी कि इस वर्ष इग्नू के कुल लगभग 3 लाख 25 हजार विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की, जिनमें से सहरसा क्षेत्रीय केंद्र के करीब 6200 विद्यार्थी शामिल हैं। सहरसा केंद्र में आयोजित समारोह में लगभग 400 से अधिक विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष क्षेत्रीय केंद्र सहरसा में लगभग 51,000 नामांकन/रजिस्ट्रेशन दर्ज किए गए हैं। साथ ही, छात्रों की सुविधा के लिए कटिहार एवं बनमनखी (पूर्णिया) में दो नए शिक्षार्थी सहायता केंद्र भी खोले गए हैं। अपने संबोधन में प्रो. विवेकानंद सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि डिग्री प्राप्त करना शिक्षा का अंतिम पड़ाव नहीं है, बल्कि यह सीखने की निरंतर प्रक्रिया का एक हिस्सा है। उन्होंने छात्रों को आईआईटी और एनआईटी जैसे संस्थानों के ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से अपने कौशल को निरंतर विकसित करने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में उप-निदेशक डॉ. प्रवीण द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

फरीदाबाद : मानसिक तनाव के चलते युवती ने की आत्महत्या

लोकतंत्र की शान : फरीदाबाद। मानसिक तनाव के चलते एक युवती ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार आदर्श नगर की गली नंबर एक में रहने वाली 20 वर्षीय चंचल ने इलेक्ट्रिकल ट्रेड से आईटीआई कर रखी थी। वह ढाई साल पहले से गली में रहने वाले जतिन नामक युवक से प्रेम करती थी। 25 जून 2025 को दोनों ने कोर्ट में शादी कर ली। शादी के बाद चंचल पति के घर रहकर जीवन निर्वाह करने लगी। उधर, गैर जाति में विवाह करने के बाद लडकी के स्वजन उससे नाराज रहने लगे और संबंध विच्छेद कर लिया। एक ही गली में रहते हुए माता-पिता द्वारा उपेक्षित किए जाने के कारण युवती मानसिक रूप से बहुत ज्यादा परेशान रहने लगी थी। जतिन ने अपनी पत्नी को कई बार समझाया कि कुछ समय बाद सब ठीक हो जाएगा। जतिन ने पुलिस को बताया कि वह बल्लभगढ़ में एक गोदाम पर काम करता है, जहां अक्सर रात को माल उतरता है। सोमवार रात को गोदाम से जब वह घर पहुंचा तो उसकी पत्नी का शव छत में पंखा टांगने वाली कुंडी से चुन्नी के सहारे झूल रहा था। चंचल को रात को सर्वोदय अस्पताल ले जाया गया। वहां से शव बादशाह खान अस्पताल पहुंचाया गया, जहां मंगलवार शव पोस्टमार्टम करवाकर शव स्वजनों को सौंप दिया। जांच अधिकारी शिव कुमार ने बताया कि मृतका के पिता और पति दोनों के बयान लेने के बाद सीआरपीसी की धारा 174 के तहत कार्रवाई की गई है।

पलवलः खेत में मिला ड्राइवर का शव, मालिक व सहकर्मी पर हत्या का केस दर्ज

लोकतंत्र की शान : पलवल। जिले के दुधौला गांव में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के रसूलपुर गांव निवासी आकाश के रूप में हुई है, जो दुधौला स्थित एक ऑफिस में ड्राइवर के तौर पर कार्यरत था। मिली जानकारी के अनुसार, आकाश का शव एचपीएल कंपनी के पीछे खेतों में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही गदपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। गदपुरी थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि मृतक आकाश दुधौला गांव में बाबू नामक व्यक्ति के यहां ड्राइवर की नौकरी करता था। उसी कार्यालय में धर्मेंद्र नामक युवक भी कार्यरत था। मृतक के पिता भोले सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि उनके बेटे की हत्या 4 अप्रैल की रात को की गई है। उन्होंने ऑफिस मालिक बाबू और सहकर्मी धर्मेंद्र पर हत्या का संदेह जताया है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि आकाश का सिम कार्ड, पर्स और एटीएम कार्ड आरोपी धर्मेंद्र के पास से बरामद हुए हैं, जिससे मामले में संदेह और गहरा गया है। घटना की सूचना पर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और डॉ. विनोद के नेतृत्व में घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मृतक के भाई रोहित को बुलाकर शव की शिनाख्त कराई। इसके बाद शव को जिला नागरिक अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि भोले सिंह की शिकायत के आधार पर बाबू और धर्मेंद्र के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर हुए कई कार्यक्रम

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस टु गेदर फॉर हैल्थ स्टैण्ड विथ सांइस थीम के अंतर्गत विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. बीएस जोधा एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अफजल हकीम ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका उद्देश्य समाज को एकजुट होकर वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित स्वास्थ्य निर्णय अपनाने हेतु प्रेरित करना है, ताकि भ्रामक जानकारियों से बचते हुए सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने वर्तमान बदलते वैश्विक परिदृश्य, सोशल मीडिया, व्हाट्सएप पर फैल रही स्वास्थ्य संबंधी भ्रामक सूचनाओं तथा इन्फ्लुएंसर संस्कृति के बीच वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं प्रमाण-आधारित चिकित्सा के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर एमबीबीएस एवं बीपीटीके 350 विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य संगोष्ठी, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, मिथक एवं तथ्य विषय पर प्रश्नोत्तरी, रंगोली प्रतियोगिता एवं वीडियो रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज, रंगोली एवं वीडियो मेकिंग प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इसके अतिरिक्त प्रदेश के चिकित्सकों के लिए ऑनलाइन सीएमई का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों के सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्षों के साथ वर्तमान में चल रहे शोध एवं स्वास्थ्य विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना रहा। इस आयोजन में वरिष्ठ आचार्य डॉ. रीता मीणा, आचार्य डॉ. सावित्री शर्मा, सह आचार्य डॉ. अरुण कुमार एवं सहायक आचार्य डॉ. मनोज वर्मा, चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहम्मद हैदर, वरिष्ठ रेजिडेंट्स डॉ. रवि नागल एवं डॉ. हेमराज पटेल सहित पीजी एवं एमपीएच विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

मां की गवाही से दुष्कर्म के आरोपित बेटे को 10 साल की सजा

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। जोधपुर की पॉक्सो कोर्ट रेप के केस में मां की गवाही पर बेटे को दस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी ने एक सगे भाई की पत्नी से रेप किया। वहीं, दूसरे भाई की पत्नी से रेप की कोशिश की थी। रेपिस्ट पर पर 85 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट के फैसले में श्रीरामचरितमानस, मनुस्मृति और बृहस्पति स्मृति के श्लोकों को भी उल्लेख है। करीब 5 साल पुराने इस केस में छह अप्रैल को जज डॉ. दुष्यंत दत्त ने फैसला सुनाया। दरअसल गत 4 जुलाई 2021 को परिवार की छोटी बहू अपने बच्चे के साथ सो रही थी। इस दौरान जब आरोपित ने उसके साथ दरिंदगी करनी चाही, तो बहू के चिल्लाने पर सास उसे बचाने आई, तो आरोपित बेटा वहां से भाग गया। इस दौरान बड़ी बहू ने बताया कि उसके साथ चार महीने पहले दरिंदगी कर चुका है। तब थाने में मामला दर्ज हुआ। सास ने पहले पुलिस और बाद में कोर्ट में गवाही दी। विशिष्ट लोक अभियोजक नरपत चौधरी ने बताया कि इस मामले में आरोपित की मां ने ही शपथपत्र के साथ गवाही दी, जिसे न्यायालय ने गंभीरता से लिया। मामला पीपाड़ थाने का 2021 का है। इस मामले में मां ने गवाही में कहा कि उसका बेटा आदतन अपराधी है, उसके प्रति कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपित को धारा 376(2)(एफ) के तहत 10 वर्ष का कठोर कारावास और 50 हजार रुपए का जुर्माना, धारा 376 पठित धारा 511 के तहत 5 वर्ष का कठोर कारावास और 25 हजार रुपए का जुर्माना, तथा धारा 354 के तहत 3 वर्ष का कठोर कारावास और 10 हजार रुपए का जुर्माना सुनाया। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। न्यायाधीश दुष्यंत दत्त ने अपने 54 पेज के फैसले में कई स्मृतियों के श्लोकों को शामिल करते हुए ऐसे मामलों में दंड को आवश्यक बताया। आदेश में लिखा कि व्यक्त करना अत्यन्त प्रासंगिक व समीचीन पाता हूं कि भारतीय परिवेश में समाज में कुछ नैतिक व सामाजिक मूल्यों की व्यवस्था की गई है। पर-स्त्री गमन अत्यन्त निंदनीय व घृणित अपराध है। विशेषकर अपने छोटे भाइयों की पत्नियों के साथ तो वह पाप का रूप ले लेता है। उन्होंने रामचरित मानस का उल्लेख करते हुए लिखा, अनुजवधू भगिनी सुतनारी, कन्या सम एति चारि। एहि को देख कुदृष्टि से, ताहि बधे कछु पाप न होई। अर्थात् छोटे भाई की पत्नी, बहन, पुत्र की पत्नी एवं स्वयं की पुत्री ये सभी कन्या के समान हैं। यदि कोई व्यक्ति इन पर कुदृष्टि डालता है, तो उसे कठोरतम दण्ड दिया जाना चाहिए।

किसानों की समस्यायों को लेकर कांग्रेस एस डी एम कार्यालय को घेरा, सौंपा ज्ञापन

» किसानों की समस्याओं पर भाजपा सरकार गंभीर नहींः- ज्ञान सिंह

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह की अगुवाई तथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामपुर नैकिन के अध्यक्ष प्रदीप द्विवेदी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चुरहट के अध्यक्ष रामभिलास पटेल के संयुक्त नेतृत्व में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) रामपुर नैकिन, जिला सीधी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रदेश में वर्तमान समय में किसान अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं। गेहूं उपार्जन की तिथियों को बार-बार बदला जा रहा है, जिससे किसानों में भारी असंतोष व्याप्त है। पहले 23 मार्च, फिर 1 अप्रैल, उसके बाद 10 अप्रैल और अब 15 अप्रैल तक तिथियों को आगे बढ़ाया जाना किसानों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। ज्ञापन के दौरान ज्ञान सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सहकारी संस्थाओं के माध्यम से ऋण वसूली की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित किए जाने से कई किसान डिफाल्टर घोषित हो गए हैं। वहीं मजबूरी में किसानों को अपनी उपज 2000 से 2200 प्रति क्विंटल के कम दामों पर बेचनी पड़ रही है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा उपार्जन केंद्रों पर अव्यवस्थाओं और समय पर खरीदी शुरू न होने से किसानों की समस्याएं और बढ़ गई हैं। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने मांग की कि गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए, तिथियों में स्थिरता लाई जाए, किसानों को उनकी उपज का उचित समर्थन मूल्य मिले, ऋण वसूली की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए एवं डिफाल्टर किसानों को राहत दी जाए, साथ ही उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाए। इस दौरान संगठन महासचिव ज्ञानेन्द्र अग्निहोत्री, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष रतिभान पटेल, कमलेश्वर सिंह, अरविन्द सिंह रोशन, अनुज सिंह, जैनेन्द्र पटेल, चंद्रमणि पाण्डेय, सुखनन्दन सोनी, रामपाल सिंह, कृष्णकुमार सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह, जगतपाल सिंह, रामनिवास पटेल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष विपिन सिंह, शुभम पटेल, प्रेम सिंह, पंकज सिंह, शिवनारायण सिंह, संतोष सिंह सहित कई वरिष्ठ एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पलवल : खाली प्लॉट में मिला युवक का खून से लथपथ शव, हत्या कर फेंके जाने की आशंका

लोकतंत्र की शान

पलवल। शहर के हुडा सेक्टर-2 चौक के पास पन्ना विहार क्षेत्र में मंगलवार को एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है, हालांकि उसकी उम्र करीब 30 से 35 वर्ष के बीच बताई जा रही है। प्रारंभिक तौर पर उसे मुस्लिम समुदाय से जुड़ा माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, शव पर सिर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों पर धारदार हथियार से किए गए कई घाव पाए गए हैं। इसके अलावा दर्जनभर से अधिक चोटों के निशान भी मिले हैं, जिससे प्रथम दृष्टया हत्या कर शव को यहां फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही थाना कैंप प्रभारी इंस्पेक्टर अश्विनी कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जो विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही हैं। मौके पर डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम को भी बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि घटना के संबंध में कोई सुराग मिल सके। घटनास्थल के पास रहने वाले प्लॉट मालिक ठाकुर जोगेंद्र सिंह ने बताया कि वह सुबह करीब 7:15 बजे घर से बाहर निकले थे, तभी उन्हें एक व्यक्ति जमीन पर पड़ा दिखाई दिया। पहले उन्होंने उसे नशे की हालत में समझा, लेकिन पास जाकर देखने पर उसकी सांस नहीं चल रही थी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी अश्विनी कुमार ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। साथ ही आमजन से मृतक की पहचान कराने की अपील की गई है।

सब्जी मंडी का अवलोकन कर कलेक्टर ने दिए व्यवस्था सुधारने के निर्देश

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने सब्जी मंडी जोरौंधा के निरीक्षण के दौरान मंडी की समुचित व्यवस्था, सुरक्षा एवं स्वच्छता को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं व्यापारी संघ के साथ चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंडी के लिए आवंटित भूमि का सीमांकन शीघ्र कराने के लिए राजस्व विभाग को निर्देशित किया। व्यापारी संघ से मंडी की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में सहयोग करने के संबंध में चर्चा की गई। इसके तहत 45 पंजीकृत व्यापारियों की सूची उपलब्ध कराने, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, व्यापारी कल्याण निधि की स्थापना एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंडी का साइन बोर्ड लगाने जैसे कार्यों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। मंडी की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 2 होमगार्ड की शिफ्टवार ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही व्यापारियों से मंडी परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, प्लास्टिक बैग के स्थान पर बायोडिग्रेडेबल बैग का उपयोग करने की अपील की गई। स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए प्लास्टिक डस्टबिन के स्थान पर सीमेंट डस्टबिन लगाने हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर द्वारा ग्राम पंचायत के सचिव को आगामी ग्राम सभा में सेवा कर (सर्विस टैक्स) वसूली का प्रस्ताव पारित कराने एवं न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के परिपेक्ष्य में सफाई कर्मियों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त मंडी क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने पर भी जोर दिया गया। भ्रमण के दौरान उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रिया पाठक सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

प्रशासन की कड़ी कार्रवाई भी नहीं लगा पा रही रेत माफियाओं पर नकेल

» मशीन से कर रहे उत्खनन परिवहन खनिज विभाग ने जेसीबी सहित 4 वाहन किए जब्त

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं जिला खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज दल द्वारा 06 अप्रैल 2026 को दिन एवं रात्रि में गोपदबनास, मझौली एवं मड़वास क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ग्राम पड़रिया, तहसील बहरी में शिकायत की पुष्टि पर एक बिना नंबर की जेसीबी मशीन एवं एक ट्रैक्टर-ट्रॉली मुरूम के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त पाए गए। आवश्यक वैधानिक दस्तावेज नहीं मिलने पर दोनों वाहनों को जब्त कर थाना यातायात सीधी की अभिरक्षा में सौंप दिया गया। इसी प्रकार रात्रि में ग्राम निधिपुरी, तहसील मड़वास स्थित गोपद नदी घाट से अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टर एवं एक 407 वाहन को रोका गया। कार्रवाई के दौरान चालक मौके पर रेत खाली कर फरार हो गए। तीनों वाहनों को लावारिस हालत में जब्त कर थाना मड़वास में सुरक्षित रखा गया है। संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध म.प्र. खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही बिना नंबर के वाहनों के उपयोग पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई हेतु जिला परिवहन अधिकारी को भी पत्र प्रेषित किया जाएगा। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अवैध खनन के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। आमजन से अपील की गई है कि खनिजों का उपयोग केवल वैधानिक रूप से ही करें, अन्यथा कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि खनिज विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवैध खनन से जुड़े 200 प्रकरण दर्ज कर लगभग 1.13 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला गया है, जबकि जिले में कुल 37.22 करोड़ रुपए का खनिज राजस्व अर्जित कर शासन के खाते में जमा कराया गया है, जो गत वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है।

कटनी जिला अपने149 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पीछे छोड़ते हुए कुल 152.39 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया है। लक्ष्य से करीब 3.39 करोड़ अधिक

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : जिला पंजीयक कार्यालय कटनी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस साल राजस्व की बढ़ोतरी 3 करोड़ 39 लख रुपए पिछले साल की अपेक्षा अधिक हुई है कटनी जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार (जिला पंजीयक) पंकज कोरी और अपने स्टाफ सभी उप पंजीयक को दिशा निर्देश के अनुसार राजस्व की बढ़ोतरी को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने की दिशा निर्देश दिया था पिछले साल की अपेक्षा इस साल ज्यादा राजस्व देखने को मिला क्योंकि यह भी जानकारी मिल रही थी कि 31 मार्च के बाद नए निर्देश अनुसार स्टांप ड्यूटी काफी बढ़ सकती है पिछले कई सालों से 10 परसेंट से 20% बढ़ोतरी होती होती रही है लेकिन इस बार ज्यादा सुनने को प्राप्त हो रही था कटनी जिले में विकास को देखते हुए प्लांट कॉलोनी की जमीन कि किमते से बढ़ सकती है और बढ़ोतरी दिन पर दिन बढ़ाने के कारण जमीन शहर में घर बनाने या जमीन खरीदने का सपना अब और महंगा होने वाला है।जिला प्रशासन ने 2026, 27 अप्रैल से जमीन की रजिस्ट्री के लिए नई गाइडलाइन दरें लागू कर होने के कारण इस बार सरकारी दरों में न्यूनतम 20% से लेकर अधिकतम 80% तक की रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वैसे भी अब आम जनता प्रॉपर्टी खरीदना इतना आसान नहीं होगा जिला पंजीयक कार्यालय ने पिछले साल के अपेक्षा इस साल लक्ष्य से अधिक राजस्व वसूला रखा गया और अप्रैल 2026 में नई दरों के लागू होने के साथ ही विभाग के लिए पिछले की अपेक्षा इस साल बढ़ोतरी में साल बेहद सफल रहा है। जिला पंजीयक कार्यालय ने इस वर्ष सरकारी खजाने को भरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिला पंजीयक पंकज कोरी के दिशा निर्देश अनुसार विभाग ने 149 करोड़ का लक्ष्य रखा था और यह भी तय 149 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पीछे छोड़ते हुए 31 मार्च 2026 तक कुल 152.39 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया है कटनी जिला उप पंजीयक कार्यालय लक्ष्य से करीब 3.39 करोड़ अधिक की यह वसूली जिले में रियल एस्टेट के बढ़ते कारोबार और सक्रियता को दर्शाती है। आम जनता और बाजार पर असर रजिस्ट्री शुल्क में वृद्धिः नई दरें आज से प्रभावी होने के कारण अब खरीदारों को स्टांप ड्यूटी और पंजीयन शुल्क के रूप में बड़ी रकम चुकानी होगी। निवेशकों की बढ़ी चिंताः भारी बढ़ोतरी वाले क्षेत्रों में निवेश करने वाले लोग अब फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैंनगर की विकास को मिलेगी जिला प्रशासन का तर्क है कि लक्ष्य से अधिक मिले राजस्व और बढ़ी हुई दरों से प्राप्त आय का उपयोग शहर के बुनियादी ढांचे और जन-सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा।

जींद : औरत के कपड़े पहने युवक ने पिकअप चालक को लूटा

लोकतंत्र की शान

जींद। औरत के कपड़े पहने युवक द्वारा पिकअप गाड़ी चालक पर ईंट से हमला कर 25 हजार रुपये की नगदी को लूटने पर सदर थाना पुलिस ने घायल चालक की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ लूट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव कालवाल हिसार निवासी सुरेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सोमवार को सीकर राजस्थान से प्याज भर कर जींद मंडी के लिए चला था। रात को वह गांव ईक्कस मोड पर पहुंचा तो एक औरत ने इशारा कर रूकने को कहा। गाड़ी के रोकने पर उसने सब्जी मंडी जाने के लिफ्ट मांगी। जिस पर उसने औरत समझ गाड़ी में लिफ्ट दे दी। जब वह पट्रोल पंप से आगे निकला तो उसने बाथरूम जाने की बात कह कर गाड़ी रूकवा ली। वह भी गाड़ी से उतर कर टायर चैक करने लगा। उसी दौरान उसने हाथापाई शुरू कर दी। जिस पर उसे पता चला कि वह औरत नही बल्कि औरत के कपड़े पहने युवक है। जब बचाव की कोशिश की तो आरोपित ने ईंट उठा कर उस पर हमला कर दिया। जिसमें उसे काफी चोटें आई। आरोपित उसकी जेब से 25 हजार रुपये लूट कर फरार हो गया। घटना की सूचना उसने डायल 112 को दी। जिसने उसे नागरिक अस्पताल पहुंचाया। मंगलवार को जानकारी देते हुए सदर थाना के जांच अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस ने चालक सुरेश की शिकायत पर अज्ञात युवक के खिलाफ लूट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान में बारिश-ओलावृष्टि से ठंडक, 17 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

लोकतंत्र की शान

जयपुर। प्रदेश में एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली है। नए मौसमी तंत्र के सक्रिय होते ही राजस्थान के रेगिस्तानी जिलों सहित कई हिस्सों में मंगलवार सुबह से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। कहीं तेज गर्जना के साथ बिजली चमकी तो कहीं चने के आकार के ओले भी गिरे, जिससे तापमान में गिरावट आ गई है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है। राजस्थान के जैसलमेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर सहित कई जिलों में मंगलवार सुबह से ही मौसम बदला हुआ नजर आया। जैसलमेर के चांधन क्षेत्र में तेज बारिश हुई। बीकानेर में रात से बादल गरजने के बाद सुबह बारिश शुरू हुई। श्रीगंगानगर में तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी और बिजली चमकी। वहीं नागौर जिले के कई इलाकों में चने के आकार के ओले गिरने की सूचना है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। राजधानी जयपुर में भी सुबह से ठंडी हवा चल रही हैं और कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आई है, जिससे मौसम सुहावना हो गया। मौसम केंद्र जयपुर ने प्रदेश के 17 जिलों में बारिश और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार आठ अप्रैल तक इस सिस्टम का असर बना रहेगा, जबकि नौ अप्रैल से मौसम साफ होने की संभावना है। बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी को देखते हुए नागौर और मेड़ता मंडियों में अवकाश घोषित किया गया है।

जनहित में महापौर श्रीमती सूरी की एक और पहल

» जलकर में लगने वाले चक्रवृद्धि ब्याज से अब मिलेगी शीघ्र राहत, नगर निगम के हजारों उपभोक्ता होंगे लाभान्वित

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। नगर निगम कटनी क्षेत्र के हजारों जलकर उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के नेतृत्व में मेयर इन काउंसिल की बैठक में जलकर पर लगने वाले चक्रवृद्धि ब्याज को समाप्त कर उसकी जगह मात्र 15 प्रतिशत साधारण ब्याज लागू करने का ऐतिहासिक प्रस्ताव अनुमोदित करते हुए निगम सम्मिलन के समक्ष स्वीकृति हेतु पेश कर दिया गया है। विदित हो कि पूर्व में भी वर्ष 2013 में पूर्व महापौर निर्मला पाठक जी और परिषद द्वारा उक्त संबंध में निर्णय लिया गया था, किन्तु सक्षम आदेश जारी न होने के कारण इसका क्रियान्वयन संभव नहीं हो सका। नगर निगम के सभी उपभोक्ताओं को जो सुविधा 2013 में मिलते-मिलते रह गई थी अब वह महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं MIC सदस्यों के प्रयासों से जल्द मिल सकने की उम्मीद जागी है ।

जनभावनाओं का सम्मान करते हुए लिया निर्णय-महापौर श्रीमती सूरी की मौजूदगी में आयोजित हुई एमआईसी की बैठक में जलकर व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। लंबे समय से नागरिकों द्वारा चक्रवृद्धि ब्याज के कारण बढ़ते आर्थिक बोझ को लेकर पीड़ा जाहिर की जा रही थी। जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मेयर इन काउंसिल ने संवेदनशीलता दिखाते हुए यह बड़ा निर्णय लेकर प्रस्ताव को अनुमोदित किया है।

राहत के साथ सुधार की झलक-यह निर्णय केवल राहत तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवस्था सुधार की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रस्ताव के तहत प्रमुख रूप से बकाया जलकर पर चक्रवृद्धि ब्याज समाप्त करने, केवल 15% साधारण ब्याज लागू करने, हर वर्ष अप्रैल में 12 माह का अग्रिम जलकर भुगतान करने पर 1 माह की छूट प्रदान करने, 31 अगस्त 2026 तक एकमुश्त भुगतान करने पर बकाया अधिभार में 50% तक की छूट प्रदान करने जैसे जनहितैषी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए है।

संक्षिप्त समाचार

सील टीम-6 ने पहाड़ों से अमेरिकी पायलट को बचाया, ईरान में 300 किमी घुसकर ऑपरेशन को अंजाम दिया

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। अमेरिका ने ईरान में लापता दोनों पायलट्स को 36 घंटे के भीतर रेस्क्यू कर लिया। ईरान में 3 अप्रैल को एक ऑपरेशन पर गए F-15E फाइटर जेट्स पर हमला हुआ था। विमान के क्रैश होने से पहले दोनों पायलट्स पैराशूट की मदद से इजेक्ट हो गए थे। इसमें से एक पायलट को अमेरिकी सेना ने कुछ ही घंटे बाद ढूंढ लिया जबकि दूसरे के लिए एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इसकी सफलता की तारीफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी की। उन्होंने इसे देश के इतिहास का सबसे खतरनाक रेस्क्यू मिशन बताया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट 'सील टीम-6' ने इसे अंजाम दिया। यह वही स्पेशल फोर्स है जिसने 2011 में आतंकी ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में घुसकर मारा था। ईरान के साथ संघर्ष के बीच यह 2026 का पहला कन्फर्म्ड अमेरिकी ग्राउंड ऑपरेशन माना जा रहा है। एक सैनिक को बचाने के लिए बड़े स्तर पर सैन्य ताकत का इस्तेमाल हुआ, जो इसकी अहमियत दिखाता है। मिशन को सफल बनाने के लिए अमेरिका ने कई लेयर में रणनीति बनाई। पहले, इजराइली खुफिया एजेंसी ने ईरानी सेना की मूवमेंट ट्रैक की। फिर हवाई हमले 36 घंटे के लिए रोके गए ताकि रेस्क्यू टीम आगे बढ़ सके। इसके बाद CIA ने फर्जी जानकारी फैलाई कि ऑफिसर सड़क से भाग निकला है। ऊपर अमेरिकी फाइटर जेट्स निगरानी कर रहे थे, जबकि जमीन पर कमांडो आगे बढ़ रहे थे। अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट SEAL टीम-6 ने ऑपरेशन शुरू किया। जब कमांडो अफसर तक पहुंचे, तब ईरानी सेना बेहद करीब थी। ऐसे में भारी गोलीबारी कर दुश्मन को पीछे धकेला गया। इसके बाद ट्रांसपोर्ट विमान फायरिंग के बीच उतरे और घायल अफसर को बाहर निकाला गया।

एअर इंडिया सीईओ कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। एअर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। न्यूज एजेंसी ANI ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एअर इंडिया ने नए CEO की तलाश भी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, विल्सन सितंबर में अपना पद छोड़ सकते हैं। पिछले हफ्ते हुई कंपनी की बोर्ड बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। विल्सन को 2022 में एअर इंडिया का CEO और प्रबंध निदेशक (MD) नियुक्त किया गया था। उनका कॉन्ट्रैक्ट 5 सालों के लिए, जुलाई 2027 तक था। रिपोर्ट्स के अनुसार, एयरलाइन अहमदाबाद प्लेन क्रैश की फाइनल जांच रिपोर्ट आने के बाद नए CEO की नियुक्ति करेगी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) ने 12 जुलाई 2025 को हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। अंतिम रिपोर्ट जून 2026 में आ सकती है। विल्सन के इस्तीफे पर एअर इंडिया ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एअर इंडिया नए CEO के लिए संभावित उम्मीदवारों के साथ हाई लेवल बातचीत कर रही है। इस संबंध में अगले हफ्ते एक अहम बैठक भी होने वाली है। दावे के मुताबिक, कंपनी ने नए CEO की तलाश जनवरी में ही शुरू कर दी थी, जब विल्सन ने कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद पद छोड़ने के संकेत दिए थे। विल्सन के पास विमानन क्षेत्र में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है और उन्होंने फुल-सर्विस और लो-कॉस्ट दोनों तरह की एयरलाइनों में काम किया है।

कार्बी आंगलोंग पहाड़ी जिले के दूरस्थ पोलिंग स्टेशनों के लिए 21 पोलिंग टीमें दो दिन पहले रवाना

कार्बी आंगलोंग। असम के पहाड़ी जिले कार्बी आंगलोंग में आगामी (09 अप्रैल) को होने वाले मतदान को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। जिले के तीन विधानसभा क्षेत्रों के दूरस्थ और दुर्गम इलाकों में स्थित 21 मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग टीमें मंगलवार को डिफू गवर्नमेंट कॉलेज से अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गईं। मतदान से दो दिन पहले ही इन टीमों की तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि समय पर सभी व्यवस्थाएं पूरी की जा सकें। पोलिंग टीमों को रवाना करते हुए जिला चुनाव अधिकारी अरण्यक सैकिया ने उनके सुरक्षित सफर और सफल दायित्व निर्वहन की कामना की। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पोलिंग कर्मचारियों का समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा ही स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की मजबूत नींव है। उन्होंने कर्मचारियों को लोकतंत्र का आधार बताते हुए कहा कि उनकी मेहनत से हर पात्र मतदाता अपने मतदान अधिकार का उपयोग कर सकेगा। उल्लेखनीय है कि ये 21 मतदान केंद्र बोकाजान विधानसभा क्षेत्र नंबर 108, हावराघाट विधानसभा क्षेत्र नंबर 109 और डिफू विधानसभा क्षेत्र नंबर 110 के हैं। इन पोलिंग स्टेशनों पर कुल 11,021 मतदाता हैं। इनमें से 5,619 पुरुष और 5,402 महिला शामिल हैं। बोकाजान विधानसभा क्षेत्र नंबर 108 के तहत आठ (8) मतदान केंद्रों पर 3,483 मतदाता , हावराघाट विधानसभा क्षेत्र नंबर 109 के तहत 10 मतदान केंद्रो पर 6,468 मतदाता और डिफू विधानसभा क्षेत्र नंबर 110 के जवलियां इलाके में तीन (3) मतदान केंद्रों पर 1,070 मतदाता हैं। ये सभी मतदान केंद्र दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण है। सामान्य परिस्थितियों में भी कई स्थानों तक केवल चार पहिया वाहनों से ही पहुंचा जा सकता है, जबकि बारिश के मौसम में रास्ते पूरी तरह अवरुद्ध हो जाते हैं। ऐसे हालात में पोलिंग कर्मियों को कई बार लंबी दूरी तक पैदल चलकर अपने केंद्रों तक पहुंचना पड़ता है। इन चुनौतियों के बावजूद चुनाव आयोग और प्रशासन की ओर से निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

पवन खेड़ा के घर असम पुलिस की छापेमारी को कांग्रेस ने बताया राजनीतिक प्रताड़ना

नई दिल्ली/गुवाहाटी। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर असम पुलिस की छापेमारी का पार्टी ने विरोध करते हुए इसे राजनीतिक प्रताड़ना करार दिया है। पार्टी ने इसके खिलाफ संघर्ष का भी ऐलान किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुवाहाटी में पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा सरकार पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है। पवन खेड़ा पर लगाए गए आरोपों की जांच सरकार को करानी चाहिए और जनता को बताना चाहिए कि आरोप सही हैं या गलत। एफआईआर दर्ज कर लें, इससे कोई डरता नहीं है। हम मुकाबला करेंगे। सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स जैसी एजेंसियां हमें लगातार तंग करती रही हैं। जो लोग जेल गए, बाद में भाजपा में शामिल होकर साफ हो गए। इस मामले में भी हम लड़ेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि पवन खेड़ा को जनहित में सवाल पूछने के कारण गिरफ्तार करने की कोशिश यह साबित करती है कि असम के मुख्यमंत्री विचलित और घबराए हुए हैं। उन्होंने इसे विधिसम्मत प्रक्रिया नहीं बल्कि विपक्ष की आवाज़ दबाने का प्रयास बताया। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हैं और इसी कारण बौखलाए हुए हैं। पवन खेड़ा ने साक्ष्यों के साथ सवाल पूछे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री जवाब देने के बजाय धमकियां दे रहे हैं और पुलिस का इस्तेमाल कर रहे हैं। जनता आगामी 9 अप्रैल को इसका जवाब देगी। उल्लेखनीय है कि पवन खेड़ा ने हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि असम के मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइंया सरमा के पास तीन विदेशी पासपोर्ट हैं और उनके नाम से कई कंपनियां विदेशों में रजिस्टर्ड हैं, जिसकी जानकारी मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग को नहीं दी है। इस पर रिंकी भुइंया ने असम पुलिस से शिकायत की थी। इस पर असम पुलिस की टीम मंगलवार सुबह दिल्ली के निजामुद्दीन ईस्ट स्थित खेड़ा के घर पहुंची। असम पुलिस के अपर पुलिस आयुक्त देबोजीत नाथ ने बताया कि गुवाहाटी के क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में पवन खेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उनकी तलाश में टीम दिल्ली आई थी। तलाशी के दौरान कुछ आपत्तिजनक सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ज़ब्त किए गए हैं। हालांकि खेड़ा उस समय घर पर मौजूद नहीं थे। अभी उनके ठिकाने की जानकारी नहीं है, लेकिन उन्हें जल्द ढूंढ लिया जाएगा।

राजनाथ का ममता सरकार पर हमला, बोले-
बंगाल की स्थिति को किया बदतर

एजेंसी, उत्तर 24 परगना

उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में मंगलवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में पश्चिम बंगाल की स्थिति बद से बदतर हो गई है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने बैरकपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन कार्यकाल के दौरान राज्य की आर्थिक संभावनाओं को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि भारत की कुल अर्थव्यवस्था में बंगाल का हिस्सा लगभग 10 प्रतिशत से ज्यादा था, लेकिन आज स्थिति बिल्कुल बदल गई है। अब बंगाल का देश की अर्थव्यवस्था में हिस्सा घटकर लगभग 6 प्रतिशत रह गया है। राजनाथ ने कहा कि जहां देश के अन्य राज्यों में औद्योगिक विकास तेजी से हो रहा है, वहीं पश्चिम बंगाल में निवेश का माहौल कमजोर हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई उद्योग राज्य से बाहर चले गए हैं और नए निवेशक भी यहां आने से हिचकिचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ममता दीदी के राज में हालात ऐसे हो गए हैं कि यहां न्याय देने वाले ही सुरक्षित नहीं हैं। आज प्रदेश में ज्यूडिशियल ऑफिसर्स को रातभर बंधक बना लिया जाता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि बंकिमचंद्र चटर्जी ने 'वंदे मातरम्' के रूप में केवल शब्द ही नहीं दिए थे, बल्कि एक सोई हुई और अपनी पहचान खो चुकी सभ्यता को उसका आत्मबोध भी कराया था। बंकिम बाबू ने भारतवासियों को यह याद दिलाया कि हम सभी भारत माता की संतान हैं। उन्होंने लोगों को स्वधर्म का महत्व समझाया और यह बताया कि स्वराज और स्वधर्म की कीमत क्या होती है। सिंह ने कहा कि भाजपा सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि काजी मासूम अख्तर बच्चों को राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत गाने के लिए प्रेरित करते थे, जिसके कारण उस समय उन्हें तृणमूल सरकार द्वारा सजा दी गई थी, लेकिन उन्हीं काजी मासूम अख्तर को वर्ष 2020 में साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए केंद्र सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि भाजपा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने में विश्वास रखती है, न कि सांप्रदायिकता फैलाने में।

राजनाथ सिंह ने भाजपा के विकास संबंधी एजेंडे का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल में बुनियादी ढांचे का विस्तार, उद्योगों की वृद्धि, रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चाहती है। भाजपा चाहती है कि केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के निवेशक बंगाल की धरती पर निवेश करें, ताकि राज्य के लोगों को इसका सीधा लाभ मिल सके और बंगाल विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ सके। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

जम्मू-कश्मीर में 16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी, श्रीनगर

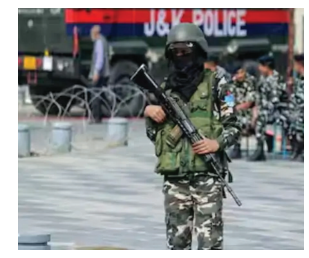

♦ लश्कर का मेंबर था एक साथी और तीन मददगार भी पकड़े गए

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मॉड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरेरा के रूप में हुई है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था। वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ सामान भी बरामद किया। जांच में LeT के एक नेटवर्क का पता चला, जो आतंकवादियों को लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल मदद करता था।

बॉर्डर पार हैंडलर्स के संपर्क में थे तीन मददगारः अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए पांच लोगों में श्रीनगर के तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को पनाह और खाना समेत लॉजिस्टिक मदद देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

2010 में भारत में घुसे थे दो पाकिस्तानी आतंकीः अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चलता है कि एक अन्य आतंकवादी दूसरे राज्यों में लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क की मदद से जाली कागजात और पहचान के आधार पर देश से बाहर जाने में कामयाब रहा। आतंकवादियों ने करीब 16 साल पहले भारत में घुसपैठ की थी, जिस दौरान वे कश्मीर घाटी के अलग-अलग जिलों में एक्टिव रहे। इन सालों में, उन्होंने करीब 40 आतंकवादियों को कमांड किया। इनमें से ज्यादातर को सुरक्षाबलों ने मार गिराया।

ममता ने केंद्रीय फंड को पार्टी के काम के लिए इस्तेमाल कियाः धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी, कोलकाता

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा और कल्याण योजनाओं के लिए दिए गए धन का दुरुपयोग किया है। उन्होंने राज्य की शिक्षा व्यवस्था में गिरावट का भी दावा किया। धर्मेंद्र प्रधान ने कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मध्यान्ह भोजन, पाठ्य पुस्तकों और स्कूल ड्रेस के लिए दिए गए केंद्रीय धन को कथित रूप से पार्टी गतिविधियों में लगाया गया। उन्होंने कहा, "बंगाल की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया गया है।"

प्रधान ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार के साथ-साथ वाम मोर्चा के लंबे शासनकाल को भी इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद और रवींद्रनाथ टैगोर जैसी महान हस्तियों की विरासत वाले राज्य की स्थिति अब चिंताजनक हो गई है।

हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को निराधार बताया। पार्टी का कहना है कि केंद्र सरकार ने विभिन्न जनकल्याण योजनाओं के तहत राज्य के लगभग दो लाख करोड़ रुपये रोक रखे हैं। केंद्रीय मंत्री ने शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में भी अनियमितताओं का आरोप लगाया और कहा कि यह प्रक्रिया या तो ठप हो गई है या भ्रष्टाचार से प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि चुनाव का मुख्य मुद्दा भयमुक्त बंगाल, रोजगार के अवसर और महिलाओं की सुरक्षा होगा।

ईरान में आज रात पूरी सभ्यता खत्म होगी, जो कभी नहीं लौटेगीः ट्रम्प

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज रात ईरान की पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी दी है। उन्होंने कहा- आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा मैं नहीं चाहता कि ऐसा हो, लेकिन शायद ऐसा ही होगा। हालांकि, अब वहां सत्ता पूरी तरह बदल चुकी है, जहां अलग, ज्यादा समझदार और कम कट्टर सोच वाले लोग मौजूद हैं। कौन जानता है कि शायद कुछ बहुत शानदार और क्रांतिकारी हो सकता हो? ट्रम्प ने दावा किया कि आज रात हम दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे अहम पल के गवाह बनेंगे। 47 सालों की ज्यादती, भ्रष्टाचार और मौत का सिलसिला आखिरकार खत्म हो जाएगा। ईश्वर ईरान के लोगों की रक्षा करे।

ईरान में कई जगहों पर अटैकः अमेरिका और इजराइल ने मंगलवार को ईरान में कई जगहों पर हमला किया। सबसे बड़ा हमला खार्ग आइलैंड पर हुआ, जहां ऑयल टर्मिनल को निशाना बनाया गया। ईरान का करीब 80 से 90% कच्चा तेल यहीं से एक्सपोर्ट होता है। इसी दौरान कोम और कशान में भी पुलों को निशाना बनाया गया। काशान के पास यहयाबाद रेलवे पुल पर हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम ईरान में तबरीज-जंजान हाईवे के पुल पर भी हमला किया गया। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान ने मंगलवार को रात 8 बजे (अमेरिका समयानुसार) तक होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला, तो उसके जरूरी ठिकानों पर हमला किया जाएगा। इन हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए UAE के शारजाह में हमला किया। ईरान पहले ही कह चुका था कि अब वह चुप नहीं बैठेगा। अमेरिका और उसके सहयोगियों के ठिकानों को निशाना बनाएगा।

आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के तहत उप्र के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 स्थलों का होगा सौंदर्यीकरण

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने राज्य में डॉ. भीम राव आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के तहत देश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 आंबेडकर स्थलों का विकास और सौंदर्यीकरण कराएगी। इस प्रस्ताव को आज कैबिनेट बैठक में मंजूरी दे दी गई। इसके तहत सरकार ने बजट में 403 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मंगलवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। कैबिनेट बैठक के बाद उप्र सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने लोकभवन के मीडिया सेंटर में पत्रकारों उक्त जानकारी दी। मंत्री अरुण ने बताया कि इस योजना के तहत समाज के विकास में अहम योगदान देने वाले पुरुष और स्त्रियों से जुड़े सभी स्थान का विकास जाएगा। ऐसे सभी स्थानों का विकास होगा, जहां डॉ. आंबेडकर या अन्य जिन्होंने समाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी और उनकी मूर्तियां लगी हैं। उन स्थलों का भी सौंदर्यीकरण किया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से छतरी, चहारदीवारी, हरियाली आदि व्यवस्था की जाएगी। एक मूर्ति स्थल पर अधिकतम 10 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका डिजाइन मानक तैयार किया जाएगा। स्थानीय मूर्ति कला का भी ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश की 403 विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे 10 स्थलों का चिन्हित कर विकास किया जाएगा। इन पर कुल मिलाकर 403 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस योजना में उन्हीं मूर्तियों को शामिल किया जाएगा जो 25 दिसंबर 2025 तक लगाई जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही ऐसे सामाजिक न्याय के प्रणेता संत रविदास, संत कबीरदास, ज्योतिबा फूले और महर्षि बाल्मीकि की मूर्ति स्थलों को भी इस योजना में लिया जाएगा। प्रथम चरण में सार्वजनिक स्थलों पर लगी मूर्तियों के सौन्दर्यीकरण के लिए कार्य किया जाएगा।

कैबिनेट बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मंजूरी मिली है। कैबिनेट बैठक में जनपद बलिया में बहुप्रतीक्षित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) स्थापना के सम्बंध में प्रस्ताव को अनुमोदन मिला है। 14.05 एकड़ भूमि कारागार विभाग की ओर से चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तांतरित की गई है। इस पर 437 करोड़ की अनुमानित लागत आएगी। यह मेडिकल कॉलेज महर्षि भृगुजी के नाम पर स्थापित होगा। महर्षि भृगु शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय इसका नाम रहेगा।

इसके अलावा पूर्वी पाकिस्तान(बांग्लादेश) से विस्थापित हिन्दू बंगाली परिवारों को जनपद कानपुर देहात में पुनर्वास के लिए लीज रेंट एवं पट्टे के प्रारूप निर्धारण प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिली है। इसी तरह जनपद मेरठ के मवाना तहसील के ग्राम नगला गोसाईं में पूर्वी पाकिस्तान(बांग्लादेश) से विस्थापित 99 परिवारों को जनपद कानपुर देहात के तहसील रसूलाबाद के ग्राम भैंसाया, व ग्राम ताजपुर तरसौली में पुनर्वासित करने के प्रस्ताव को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है।

पाकिस्तान में बाजार 8 बजे, रेस्टोरेंट 10 बजे बंद, शादी समारोहों पर भी पाबंदी

एजेंसी, नई दिल्ली

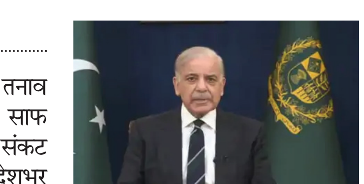

तेल संकट से जूझ रहा देश

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के असर अब पाकिस्तान में साफ दिखाई देने लगे हैं। ईंधन संकट गहराने के चलते सरकार ने देशभर में सख्त पाबंदियां लागू कर दी हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद मंगलवार से नए नियम लागू किए गए। प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के अनुसार, अब देश के ज्यादातर हिस्सों में बाजार और शॉपिंग मॉल रात 8 बजे तक ही खुले रहेंगे।

रेस्तरां, बेकरी और अन्य खाने-पीने की दुकानें रात 10 बजे तक बंद करनी होंगी। इसके अलावा शादी हॉल और दूसरे कमर्शियल वेन्यू भी रात 10 बजे के बाद खुले नहीं रह सकेंगे।

सरकार ने निजी स्तर पर होने वाले शादी समारोहों पर भी सख्ती की है। अब घरों या निजी जगहों पर भी रात 10 बजे के बाद शादी या कोई समारोह आयोजित नहीं किया जा सकेगा।

हालांकि, मेडिकल स्टोर और फार्मेसी को इन पाबंदियों से छूट दी गई है, ताकि जरूरी दवाएं और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों। दरअसल, खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव का असर वैश्विक ईंधन आपूर्ति पर पड़ा है। इसी वजह से पाकिस्तान में ईंधन की कमी बढ़ रही है। खपत कम करने और हालात को संभालने के लिए सरकार ने ये सख्त कदम उठाए हैं।

महाराष्ट्र के नागपुर में विस्फोटक बरामद, इलाके में हड़कंप

एजेंसी, नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर शहर के सेंट्रल ऐवन्यू (सीए रोज) इलाके में मंगलवार को बड़ी मात्रा में जिंदा विस्फोटक मिलने से हड़कंप मच गया। गणेशपेठ पुलिस थाना क्षेत्र के दोसर भवन चौराहे पर स्थित मेट्रो स्टेशन के ठीक समीप यह घटना सामने आई है। गणेशपेठ पुलिस को मंगलवार सुबह एक घर के पास संदिग्ध बैग मिलने की सूचना को मिली, जिसके बाद जांच शुरू की गई। जांच के दौरान बैग में 15 जिलेटिन की छड़ें, 58 डेटोनेटर और 8 कनेक्टर बरामद किए गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह बैग पिछले एक से डेढ़ महीने से वहां पड़ा हुआ था।

सुबह बैग से जिलेटिन की छड़ें बाहर दिखाई देने लगीं, जिसके बाद मकान मालिक ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। इस सूचना पर पुलिस के साथ बम खोजी दस्ता (बीडीडीएस) मौके पर पहुंचा। उन्होंने इलाके को तुरंत इलाके को सील कर तलाशी अभियान चलाया और सभी विस्फोटक सामग्री को सुरक्षित रूप से जब्त कर आगे की जांच के लिए भेज दिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

इस बीच प्रारंभिक जांच में नागपुर जिले के काटोल क्षेत्र स्थित एसबीएल कंपनी में हुए विस्फोट से इस मामले का संबंध होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का मानना है कि वहां से विस्फोटक सामग्री लाकर यहां फेंकी गई हो सकती है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस उपायुक्त राहुल मदने ने बताया कि मौके से बरामद सभी सामग्री को सुरक्षित कर लिया गया है और मामले की गहन जांच जारी है।

भोपाल में खुलेगा फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, उज्जैन एयरपोर्ट के लिए 590 करोड़ मंजूर

एजेंसी, भोपाल

एससी वर्ग के विद्यार्थियों को हर माह मिलेगी दस हजार रुपये छात्रवृत्ति

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। इसमें भोपाल में फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफटीआरआई) खोलने के साथ ही उज्जैन एयरपोर्ट के लिए 590 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों के लिए दस हजार रुपये प्रतिमाह स्कॉलरशिप भी मंजूर की गई है।

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में वित्तीय प्रबंधन को लेकर राज्य सरकार ने फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफटीआरआई) खोलने को मंजूरी दी है। यह इंस्टीट्यूट प्रदेश में वित्तीय प्रबंधन पर रिसर्च और बजट आकलन समेत अन्य वित्तीय व्यवस्थाओं के लिए काम करेगा। इसका संचालन शुरुआत में प्रशासन अकादमी भोपाल से किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद ने उज्जैन में सिंहस्थ को देखते हुए एयरपोर्ट विकसित करने के लिए 590 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह राशि एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण पर खर्च की जाएगी। केंद्र सरकार की उड़ान योजना के अंतर्गत यह एयरपोर्ट बनेगा और इसका काम केंद्र सरकार पूरा कराएगी। इसके बनने से सिंहस्थ के दौरान एयरबस विमानों का संचालन किया जा सकेगा, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा होगी।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन देश-विदेश में धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है, जहां 12 ज्योर्तिलिंगों में से एक ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर एवं सांदिपनी आश्रम स्थित है तथा सिंहस्थ महाकुंभ का आयोजन भी होता है, जिससे यहां पर काफी अधिक संख्या में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को दूरस्थ क्षेत्रों से आवागमन होता रहता है। विक्रम उद्योगपुरी एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के कारण औद्योगिक गतिविधियों में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसके अतिरिक्त उज्जैन कृषि एवं सेवा क्षेत्र की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण एवं विकासशील नगर है। इसलिए उज्जैन में हवाईपट्टी का उन्नयन/विस्तार आवश्यक है।

मंत्री काश्यप ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए दस हजार रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति देने को भी मंजूरी दी है। अभी यह 2000 रुपये प्रतिमाह दी जाती थी, लेकिन महंगाई को देखते हुए अब सरकार ने इसे दस हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया है। अब पोस्ट ग्रेजुएट और ग्रेजुएट करने वाले बच्चों को यह राशि दी जाएगी। योजनांतर्गत प्रति वर्ष 100 नवीन विद्यार्थियों एवं पूर्व से अध्ययनरत विद्यार्थी लाभांवित होंगे। इसमें 50 नवीन स्नातक, 50 नवीन स्नातकोत्तर और 50 पूर्व से अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए एक वर्ष के मान से 1.80 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

तमिलनाडु का सातानकुलम कस्टोडियल डेथ केस -सत्ता के दुरुपयोग मानवाधिकारों क़ा उल्लंघन- 6 अप्रैल 2026 मदुरै कोर्ट से 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा-न्याय, व्यवस्था और मानवीय गरिमा पर एक ऐतिहासिक निर्णय का अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» महामारी,लॉकडाउन और सत्ता का अंधेरा पक्ष- ज़ब अधिकार अत्याचार का माध्यम बन गए थे- न्याय की जीत सत्यमेव जयते

» सातानकुलम केस- भारतीय पुलिस व्यवस्था में तत्काल सुधार, अधिक जवाबदेह बनानें, हिरासत में सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता,स्वतंत्र जांच एजेंसियों की स्थापना व मानवाधिकारों पर जोर क़ी सख्त ज़रूरत -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर साल 2020 में जब पूरी दुनियाँ कोविड -19 महामारी के अभूतपूर्व संकट से जूझ रही थी, तब सरकारों ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सख्त लॉकडाउन जैसे कदम उठाए।भारत भी इससे अछूता नहीं रहा।सड़कों पर सन्नाटा,बंद बाजार,ठप उद्योग यह दृश्य देशभर में आम था। लेकिन इस सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के बीच एक दूसरा,कम दिखाई देने वाला संकट भी पनप रहा था,सत्ता के दुरुपयोग और मानवाधिकारों के उल्लंघन का। कई स्थानों पर पुलिस और प्रशासन को व्यापक अधिकार दिए गए, जिनका उद्देश्य कानून- व्यवस्था बनाए रखना था,परंतु कुछ मामलों में यही अधिकार अत्याचार का माध्यम बन गए। इसी पृष्ठभूमि में तमिलनाडु के सातानकुलम में घटित कस्टोडियल डेथ का मामला सामने आया, जिसने न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी न्याय और मानवाधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस कस्टोडियल डेथ मैटर में न्यायपालिका की भूमिकाः लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ सिद्ध हुई, इस केस में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहीअदालत ने इस केस कोरेयरेस्ट ऑफ रेयर मानते हुए न केवल सख्त सजा दी, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि कानून के सामने सभी समान हैं, चाहे वे आम नागरिक हों या पुलिसकर्मी। यह निर्णय न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऐसे फैसले लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत करते हैं और यह संदेश देते हैं कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। प्रिंट इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया में अक्सर हम कस्टोडियल डेथ के बारे में बहुत सुनते हैं,इसलिए अब पुलिस सुधार की आवश्यकताः प्रणालीगत बदलाव की मांग का समय अब आ गया है। सातानकुलम केस ने भारतीय पुलिस व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता को उजागर किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि पुलिस को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए कई कदम उठाने की जरूरत है, जैसे कि हिरासत में सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता, स्वतंत्र जांच एजेंसियों की स्थापना, और पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण में मानवाधिकारों पर जोर।इसके अलावा, पुलिस बल में कार्य के दबाव, संसाधनों की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे मुद्दों को भी संबोधित करना आवश्यक है। जब तक इन संरचनात्मक समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति की संभावना सटीक रूप से बनी रहेगी। साथियों बात अगर हम सातानकुलम की घटनाः एक सामान्य उल्लंघन से असाधारण त्रासदी तक इसको समझने की करें तो19 जून 2020 को तमिलनाडु के सातानकुलम में एक सामान्य-सी दिखने वाली घटना ने भयावह रूप ले लिया। मोबाइल दुकान चलाने वाले पी. जयराज (59) और उनके बेटे जे. बेनिक्स (31) पर आरोप था कि उन्होंने लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करते हुए अपनी दुकान खुली रखी। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और थाने ले जाया गया। सामान्यतः ऐसे मामलों में जुर्माना या चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है,लेकिन इस केस में पुलिस की कार्रवाई असामान्य रूप से कठोर और अमानवीय साबित हुई।परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों को पूरी रात थाने में बर्बरता पूर्वक पीटा गया। उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे,खून बह रहा था और उन्हें लगातार प्रताड़ित किया गया।यह केवल कानून का पालन कराने की कार्रवाई नहीं थी,बल्कि सत्ता के दुरुपयोग का चरम उदाहरण बन गई।बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया,लेकिन उनकी हालत इतनी खराब थी कि कुछ ही दिनों में 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की मृत्यु हो गई। साथियों बात अगर हम पुलिस का प्रारंभिक बचाव और सच्चाई का उजागर होना इसको समझने की करें तो इस घटना के बाद पुलिस ने प्रारंभ में यह दावा किया कि दोनों की मौत स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हुई है। यह एक सामान्य रणनीति थी, जिसे अक्सर कस्टोडियल डेथ के मामलों में अपनाया जाता है।लेकिन इस बार परिस्थितियाँ अलग थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने पुलिस के दावों की पोल खोल दी। रिपोर्ट के अनुसार, बेनिक्स के शरीर पर 13 और जयराज के शरीर पर 17 गंभीर चोटों के निशान पाए गए, जो स्पष्ट रूप से अत्यधिक हिंसा और प्रताड़ना की पुष्टि करते थे।इसके अलावा, एक महिला कॉन्स्टेबल के बयान ने मामले को और गंभीर बना दिया। उसने खुलासा किया कि दोनों को रातभर बेरहमी से पीटा गया और उनके खून से सने कपड़ों से थाने की सफाई करवाई गई। यह केवल शारीरिक हिंसा नहीं थी, बल्कि मानवीय गरिमा का घोर अपमान था। इस खुलासे के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया और यह मामला राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में आ गया। साथियों बात अगर हम न्याय की लंबी यात्राः छह वर्षों का संघर्ष इसको समझने की करें तो यह मामला केवल एक आपराधिक केस नहीं था, बल्कि न्याय के लिए लंबी और कठिन लड़ाई का प्रतीक बन गया। छह वर्षों तक चली सुनवाई के दौरान कई बाधाएँ आईं सबूतों का संरक्षण, गवाहों की सुरक्षा, और न्यायिक प्रक्रिया की जटिलताएँ। कुल 10 आरोपियों में से एक की कोविड के दौरान मृत्यु हो गई,जबकि बाकी 9 पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा जारी रहा।6 अप्रैल 2026 को मदुरै की फर्स्ट एडिशनल सेशंस कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सभी 9 पुलिस कर्मियों को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने इस मामले को रेयररेस्ट ऑफ रेयर की श्रेणी में रखा, जो भारतीय न्याय प्रणाली में सबसे गंभीर अपराधों के लिए आरक्षित है। जज मुथुकुमारन ने अपने फैसले में कहा कि यह मामला केवल हत्या का नहीं, बल्कि सत्ता के दुरुपयोग और मानवीय गरिमा के उल्लंघन का है, और ऐसी स्थिति में उम्रकैद भी पर्याप्त नहीं है। साथियों बात अगर हम रेयररेस्ट ऑफ रेयर का सिद्धांत और इस केस में उसका अनुप्रयोग को समझने की करें तो,भारतीय न्याय प्रणाली में रेयररेस्ट ऑफ रेयर सिद्धांत का उपयोग बहुत ही सीमित मामलों में किया जाता है। यह सिद्धांत बचन सिंह बनाम स्टेट ऑफ़ पंजाब के ऐतिहासिक फैसले से विकसित हुआ, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मृत्युदंड केवल उन्हीं मामलों में दिया जाना चाहिए, जहां अपराध अत्यंत क्रूर, अमानवीय और समाज के लिए असाधारण खतरा हो।सातानकुलम केस में अदालत ने पाया कि पुलिसकर्मियों ने न केवल कानून का उल्लंघन किया, बल्कि वे स्वयं कानून के संरक्षक होने के बावजूद अपराधी बन गए। उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए निहत्थे और निर्दोष नागरिकों पर अत्याचार किया। इस प्रकार, यह मामला "रेयररेस्ट ऑफ रेयर" की श्रेणी में पूरी तरह फिट बैठता है।

साथियों बात अगर हम इस केस में सजा और मुआवजा न्याय का बहुआयामी दृष्टिकोण को समझने की करें तोअदालत ने केवल मृत्युदंड ही नहीं दिया, बल्कि दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया और पीड़ित परिवार को 1 करोड़ 40 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। यह निर्णय न्याय के बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें अपराधियों को सजा देने के साथ-साथ पीड़ितों को राहत देना भी शामिल है।मुआवजा राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि यह राज्य की ओर से यह स्वीकारोक्ति भी है कि पीड़ितों के साथ अन्याय हुआ और उन्हें न्याय मिलना चाहिए। हालांकि, यह भी सच है कि किसी भी राशि से एक परिवार के दो सदस्यों की क्षति की भरपाई कभी भी नहीं की जा सकती। साथियों बात अगर हम इस केस में मृतक बाप बेटे के परिवार की प्रतिक्रियाः दर्द, संतोष और अधूरी शांति को समझने की करें तो फैसले के बाद जयराज और बेनिक्स के परिवार ने मिश्रित भावनाएँ व्यक्त कीं। एक ओर उन्हें यह संतोष था कि छह वर्षों की लंबी लड़ाई के बाद न्याय मिला, वहीं दूसरी ओर उनके मन में यह पीड़ा भी थी कि उनके प्रियजन कभी वापस नहीं आएंगे।परिवार ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह केवल उनके लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए न्याय है जो पुलिस अत्याचार का शिकार होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले से भविष्य में ऐसे मामलों में कमी आने की सटीक रूप से उम्मीद है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीयप्रतिक्रिया मानवाधिकारों की वैश्विक चिंता के परिपेक्ष में समझने की करें तो इस मामले ने न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित किया। मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा की और इसे पुलिस सुधार की आवश्यकता का उदाहरण बताया।विश्व स्तर पर यह सवाल उठाया गया कि क्या कानून लागू करने वाली एजेंसियों को इतनी शक्ति दी जानी चाहिए कि वे उसका दुरुपयोग कर सकें। इस घटना ने यह भी दिखाया कि लोकतांत्रिक देशों में भी मानवाधिकारों का उल्लंघन संभव है, यदि निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत न हो। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि एक केस, अनेक संदेश, सातानकुलम कस्टोडियल डेथ केस केवल एक आपराधिक घटना नहीं है,बल्कि यहभारतीय समाज, न्याय व्यवस्था और प्रशासनिक ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण सबक है।यह मामला दिखाता है कि जब सत्ता का दुरुपयोग होता है, तो उसके परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं।मदुरै कोर्ट का यह ऐतिहासिक फैसला न केवल पीड़ित परिवार को न्याय दिलाता है,बल्कि पूरे देश को यह संदेश भी देता है कि मानवाधिकारों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। यह निर्णय भविष्य में ऐसे मामलों के लिए एक मिसाल बनेगा और पुलिस व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।इसलिए यह कहना उचित होगा कि न्याय में देरी हो सकती है, लेकिन यदि व्यवस्था मजबूत और निष्पक्ष हो, तो न्याय अवश्य मिलता है।सातानकुलम केस इसका जीवंत उदाहरण है जहां छह वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद न्याय ने अपनी विजय सुनिश्चित की।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

9284141425

होरमुज संकट और भारत की तैयारी - रणनीति या सिर्फ समय खरीदने की कोशिश?

लेखक - भूपेन्द्र गुप्ता

होरमुज जलडमरूमध्य में बढ़ता तनाव एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा कितनी नाजुक नींव पर खड़ी है। सरकार चाहे जितने भी दावे करे, सच्चाई यह है कि भारत आज भी अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बाहरी दुनिया पर अत्यधिक निर्भर है। ऐसे में सवाल उठता है—क्या सरकार की वर्तमान रणनीति वास्तव में दूरदर्शी है या सिर्फ संकट को टालने की कोशिश? सबसे पहले बात करते हैं तेल सप्लाई स्रोतों की विविधता की। सरकार इसे अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती है कि उसने मध्य पूर्व के अलावा रूस, अमेरिका और अफ्रीका से तेल खरीद बढ़ाई है। लेकिन यह आधा सच है। रूस से सस्ता तेल खरीदना एक अवसर जरूर था, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। भू-राजनीतिक परिस्थितियां कभी भी बदल सकती हैं। अमेरिका से तेल महंगा है और अफ्रीका से आपूर्ति स्थिर नहीं रहती। यानी अन्य स्रोतो ने जोखिम तो कम किया है, खत्म नहीं किया। दूसरा बड़ा दावा है रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) का। सरकार ने भंडारण क्षमता बढ़ाने की योजना बनाई है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वर्तमान भंडारण केवल कुछ दिनों की जरूरत ही पूरी कर सकता है। अगर होरमुज लंबे समय तक बंद रहता है, तो यह रिजर्व ऊंट के मुंह में जीरा साबित होगा। सवाल यह है कि जब भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा करता है, तो उसकी ऊर्जा सुरक्षा इतनी सीमित क्यों है? तीसरा पहलू है नौसेना और सामुद्रिक सुरक्षा। भारतीय नौसेना की तैनाती और एस्कॉर्ट मिशन निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं, लेकिन यह समाधान नहीं बल्कि संकट कम करना है। समुद्र में जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है, पर अगर रास्ता ही बंद हो जाए तो सुरक्षा किस काम की?

अब आते हैं सबसे महत्वपूर्ण पहलू—कूटनीति। भारत की "सबके साथ संतुलन" वाली नीति को अक्सर उसकी ताकत बताया जाता है। लेकिन यह संतुलन भी जोखिम से भरा है। ईरान, अमेरिका, सऊदी अरब और रूस—इन सभी के साथ संबंध बनाए रखना आसान नहीं है। किसी भी बड़े संघर्ष की स्थिति में यह संतुलन टूट सकता है, और तब भारत के पास विकल्प सीमित हो जाएंगे। सरकार का एक और बड़ा तर्क है ऊर्जा की वैकल्पिकता का—यानी सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और ग्रीन हाइड्रोजन। यह निश्चित रूप से भविष्य की दिशा है, लेकिन वर्तमान संकट का समाधान नहीं। भारत में अभी भी परिवहन और उद्योग का बड़ा हिस्सा तेल पर निर्भर है। ऊर्जा संक्रमण की गति इतनी धीमी है कि निकट भविष्य में इसका असर सीमित ही रहेगा। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन सभी प्रयासों के बावजूद भारत की मूल समस्या जस की तस बनी हुई है—88% तेल आयात पर निर्भरता। जब तक यह निर्भरता कम नहीं होती, तब तक हर अंतरराष्ट्रीय संकट भारत की अर्थव्यवस्था को झकझोरता रहेगा। राजनीतिक स्तर पर भी यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो महंगाई बढ़ती है, और महंगाई सीधे सरकार की लोकप्रियता को प्रभावित करती है। इसलिए अक्सर देखा गया है कि सरकारें अल्पकालिक उपायों—जैसे टैक्स में कटौती या तेल कंपनियों पर दबाव—का सहारा लेती हैं। लेकिन ये उपाय दीर्घकालिक समाधान नहीं हैं, बल्कि सिर्फ चुनावी प्रबंधन के औजार हैं। तो समाधान क्या है? सबसे पहले, भारत को अपनी ऊर्जा नीति में वास्तविक सुधार करना होगा। घरेलू उत्पादन को बढ़ाना, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों में तेज निवेश करना और ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता देना जरूरी है। दूसरा, एसपीआर को वैश्विक मानकों के अनुसार बढ़ाना होगा ताकि कम से कम 60 से 90 दिनों का भंडारण सुनिश्चित किया जा सके। तीसरा, विदेश नीति में ऊर्जा सुरक्षा को केंद्र में रखना होगा, न कि सिर्फ संतुलन साधने की कोशिश। अंततः, होरमुज संकट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की ऊर्जा रणनीति अभी अधूरी है।

कहां गए शांति के कपोत उड़ाने वाले?

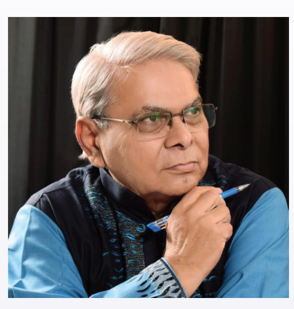

अशोक मधुप वरिष्ठ पत्रकार

आज की दुनिया बारूद से धधक रही है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व के रेगिस्तानों तक, हर तरफ मिसाइलों की गूँज है। शांति की बाते अब सुनाई नही देतीं। शांति के कपोत उड़ाने वाले दिखाई देने बंद हो गए। युद्ध की विभिषिका के विरोध में प्रदर्शन करने और मोमबत्ती जलाने वाले अब सड़कों से गायब है। युद्ध के विरोध के स्वर धीमे ही नही हुए ,पूरी तरह खामोश हो गए। बुद्ध के संदेश अब किताबों में ही बंद होकर रह गए है। युद्धों के विरोध की कही से बात नही उठ रही। दुनिया में शांति स्थित करने के लिए बने संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुंह पर टेप चिपक गया। वह देख सकता है। न कुछ बोल सकता है। न आदेश कर सकता है। विडंबना देखिए कि इक्कीसवीं सदी में हम मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन ज़मीन के चंद टुकड़ों और आपसी वर्चस्व के लिए हज़ारों बेगुनाहों का खून बहाने से भी पीछे नहीं हट रहे। युद्ध चाहे रूस और यूक्रेन के बीच हो, या इज़राइल, ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव हो।जीत के झंडे चाहे जिस देश के हाथ आएं, हारती हमेशा मानवता है। इन युद्ध में विजयी कोई भी हो, सदा पराजित तो मानव होती है। मरती बस इंसानियत है। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नही , बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नही किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिजाइल और द्रोण दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे , जिस तरह कि करना चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट को जन्म दिया तो मध्य पूर्व (इज़राइल-हमास-ईरान) के संघर्ष ने दुनिया को धार्मिक और कूटनीतिक ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इन लड़ाइयों में टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच जो आवाज़ दब जाती है, वह है—एक मासूम बच्चे की चीख और एक बेबस माँ की कराह। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत वे लोग चुकाते हैं जिनका राजनीति या सत्ता की लालसा से कोई लेना-देना नहीं होता। यूक्रेन के कीव से लेकर गाज़ा की गलियों और ईरान के गांव तक तक, हज़ारों औरतें और बच्चे मौत की नींद सो चुके हैं। जो उम्र खिलौनों से खेलने की थी, उस उम्र में बच्चे बमों के धमाकों को पहचानना सीख रहे हैं। हज़ारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं और लाखों का भविष्य मलबे के नीचे दब गया है। युद्ध के दौरान महिलाओं को न केवल विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है, बल्कि वे शारीरिक और मानसिक हिंसा का सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं। युद्ध केवल इंसान को नहीं मारता, वह सदियों से बनी-बनाई सभ्यताओं और बुनियादी ढांचे को भी नष्ट कर देता है। स्कूलों, अस्पतालों और रिहायशी इमारतों पर गिरते बम यह दर्शाते हैं कि आधुनिक समाज कितना "असंवेदनशील" हो चुका है। जब एक अस्पताल पर मिसाइल गिरती है, तो वह केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं ढहती, बल्कि इंसानियत की आखिरी उम्मीद भी टूट जाती है। इन लड़ाइयों का असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है। रूस-यूक्रेन संघर्ष ने दुनिया भर में अनाज की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ दिया। इससे गरीब देशों में भुखमरी का खतरा बढ़ गया। ईंधन की बढ़ती कीमतें और खाद्य पदार्थों की कमी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। जो खरबों डॉलर शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में खर्च होने चाहिए थे, वे आज आधुनिक हथियार और मिसाइलें बनाने में झोंके जा रहे हैं। युद्ध का एक और खामोश शिकार हमारा पर्यावरण है। हज़ारों टन गोला-बारूद का इस्तेमाल वायुमंडल को ज़हरीला बना रहा है। जंगलों की आग, समुद्री प्रदूषण और ज़मीन में धंसे बारूदी सुरंग आने वाली कई पीढ़ियों के लिए मौत का जाल बिछा रहे हैं। हम जिस धरती को बचाने की कसमें खाते हैं, उसी को युद्ध की आग में झोंक रहे हैं। संसाधनों को बरबाद कर रहे हैं।जब हम टीवी पर बमबारी के दृश्य देखते हैं और उन्हें केवल एक "न्यूज़ अपडेट" की तरह छोड़ देते हैं, तो समझ लीजिए कि हमारे भीतर की इंसानियत मर चुकी है। युद्ध हमें क्रूर बना देता है। हम मौतों को केवल 'आंकड़ों' में गिनने लगते हैं। घृणा का यह बीज जो आज बोया जा रहा है, वह भविष्य में और अधिक कट्टरपंथ और आतंकवाद को जन्म देगा। अमेरिका आज दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बन गया है। उसने इराक पर यह कह कर हमला किया था कि उसके पास कैमिकल और अन्य घातक शस्त्र है। इराक हार गया। सद्दाम हुसैन पकड़े ही नही गए, उन्हें फांसी हो गई, किंतु अमेरिका इराक से कुछ भी बरामद नही कर पाया। उसका सब झूंठा प्रचार रहा। अब ईरान पर यह कह कर इस्राइल और अमेरिका ने हमला किया कि वह परमाणु बम बनाने के नजदीक है। उसकी इस शक्ति को खत्म करना है। हमले जारी है। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए अपने मन की बात कह दी कि उसे ईरान के तेल पर कब्जा करना है। तीन जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने एक सैन्य ऑपरेशन के दौरान वेनेजुयला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनके देश (कराकस) से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नार्को-आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों के बाद की गई। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया। बहाना मादक पदार्थो की तस्करी रोकना था किंतु अब अमेरिकी राष्ट्र पति ट्रंप कह रहे हैं कि वेनेजुयला का तेल वे बेचेंगे। उनकी मर्जी से बिकेगा। इस सब का मतलब साफ है कि दुनिया के संसाधनों पर अमेरिका की नजर है। वह किसी ने किसी बहाने उन पर कब्जा करना चाहता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा बयान सामने आया। ट्रंप ने कहा है कि अगर थोड़ा और समय मिला तो अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल सकता है और वहां से तेल लेकर बड़ा मुनाफा कमा सकता है। उनके इस बयान ने पहले से चल रहे संघर्ष को और संवेदनशील बना दिया है। फिलहाल ईरान ने इस अहम समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है। इस कारण दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है और कीमतों में तेजी देखी जा रहीयह संघर्ष अब सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं रहा है। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान और लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी कई खाड़ी देशें पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हाल के दिनों में हमलों की संख्या कुछ कम हुई है, लेकिन पूरी तरह रुकी नहीं है। ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल होने से इन्कार करने वाले ब्रिटेन जैसे वह देश होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की वजह से जेट ईंधन नहीं पा रहे हैं। उनके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रप का सुझाव हैः पहला- अमेरिका से तेल खरीदो, हमारे पास बहुत है। दूसरा- हिम्मत जुटाओ, जलडमरूमध्य पर जाओ और उसे अपने कब्जे में ले लो। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के पूर्व महानिदेशक मोहम्मद अल बारदेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी करने के बाद खाड़ी देशों से हस्तक्षेप करने की तत्काल अपील की है। पूर्व आईएईए प्रमुख ने विनाशकारी सैन्य टकराव की संभावना का जिक्र किया। बारदेई ने एक्स पर एक पोस्ट में पड़ोसी खाड़ी देशों को संबोधित करते हुए कहा, "कृपया, एक बार फिर अपनी पूरी ताकत झोंक दें, इससे पहले कि यह पागल शख्स इलाके को आग का गोला बना दे।"मोहम्मद अल बारदेई ने अपनी गुहार को वैश्विक मंच तक पहुंचाते हुए युद्ध को रोकने में अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका पर भी सवाल उठाया। संयुक्त राष्ट्र के साथ रूस-चीन-फ्रांस को संबोधित एक अलग पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या इस पागलपन को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है?

युद्ध किसी समस्या का स्थायी हल नहीं है। इतिहास ने बार-बार सिखाया है कि युद्ध के मैदान में कभी कोई नहीं जीतता, बस जो कम हारता है वह खुद को विजेता घोषित कर देता है। रूस, यूक्रेन, इज़राइल, ईरान या अमेरिका—शक्ति का प्रदर्शन किसी को महान नहीं बनाता। महानता इस बात में है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसी दुनिया दें जहाँ बारूद की गंध नहीं, बल्कि भाईचारे की मिठास हो। एक बार और अमेरिका वियतनाम और अफग़ानिस्तान में जाकर अपना अंजाम देख चुका है। बाद में बहुत कुछ गंवाकर वहां से भाग आया। ये ईरान है। यहां के गांव वाले, युवाओं और बच्चों ने भी अब शस्त्रों से दोस्ती कर ली है। हथियार संभाल लिए है। अमेरिका के दो हैलिकोप्टर को मार गिराने वाला एक मामूली गडरिया है। इस गडरिए को तो युद्ध कला भी नही आती । सिर्फ इतना जानता है कि ये हैलिकोप्टर हमलावर अमेरिका के है। जिस देश की जनता इतनी जुझारू और लड़ाका हो , जिसके गडरिये अमेरिका जैसे देश के दो- दो आधुनिकतम हैलिकोप्टर गिरा दें,उसे हराना संभव नहीं। आज दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्रों को अपनी ज़िम्मेदारी समझनी होगी । उन्हें युद्ध के उन्माद को रोकना होगा। नहीं रोका, तो वह दिन दूर नहीं जब 'इंसान' तो बचेगा, लेकिन उसके भीतर की 'इंसानियत' पूरी तरह दफन हो चुकी होगी। हमें यह समझना होगा कि धरती पर सरहदें हमने खींची हैं, कुदरत ने नहीं। शांति की मेज़ पर बैठकर बात करना कमज़ोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी बहादुरी है। वक्त आ गया है कि हम "हथियारों की होड़" को छोड़कर "मानवता की जोड़" पर ध्यान दें। वरना इतिहास हमें उन लोगों के रूप में याद रखेगा ,जिनके पास सब कुछ था, बस एक-दूसरे के लिए दया और प्रेम नहीं था।

अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कॉँग्रेस के विचार विभाग की वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्षा की ओर से

डॉ.जया शुक्ला

हाल ही में पुनः उभरे, लीबिया के दिवंगत नेता मुअम्मर गद्दाफी की पुत्री आयशा गद्दाफी द्वारा ईरान को पूर्व मैं दी गई चेतावनी, जो हालही मैं पुनः उभरी है, एक महत्वपूर्ण और गंभीर संदेश है। डॉ.जया शुक्ला ने इस संदर्भ में कहा कि आयशाजी ने अपने परिवार के दर्दनाक अनुभव का हवाला देते हुए बिल्कुल सही कहा है—"भेड़ियों के साथ बातचीत झुंड को नहीं बचाती, बल्कि केवल अगले शिकार की तारीख तय करती है।" पश्चिमी देशों ने कभी उनके पिता से वादा किया था कि यदि लीबिया अपने परमाणु हथियार और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को समाप्त कर देगा, तो उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में सम्मानजनक स्थान दिया जाएगा। मुअम्मर गद्दाफी ने विश्वास के साथ यह कदम उठाया और अपने कार्यक्रमों को समाप्त कर दिया। लेकिन वर्ष 2011 में नाटो ने हस्तक्षेप किया, जिससे लीबिया अराजकता और विनाश में डूब गया, और अंततः उनके पिता की निर्मम हत्या कर दी गई। डॉ.जया शुक्ला का मानना है कि यह घटना आज भी एक चेतावनी के रूप में खड़ी है। आयशा गद्दाफी का स्पष्ट संदेश है कि ऐसे समझौते वास्तविक शांति या सुरक्षा नहीं देते, बल्कि केवल संघर्ष को टालते हैं और भविष्य में बड़े संकट को आमंत्रित करते हैं। यह केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। अमेरिका की नीतियाँ एशिया सहित अन्य महाद्वीपों में भी इसी प्रकार देखी गई हैं। परमाणु हथियार उनकी रणनीति का एक हिस्सा मात्र हैं, जबकि आर्थिक दबाव और नियंत्रण उनके प्रभाव के प्रमुख साधन हैं। हमारे अपने देश के संदर्भ में भी यह चिंताजनक है। डॉ.जया शुक्ला ने कहा कि जब डॉ. मनमोहन सिंह के कुशल नेतृत्व में भारत आर्थिक रूप से सशक्त होकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में आगे बढ़ रहा था और डॉलर निर्भरता से बाहर निकलने की संभावनाएँ बन रही थीं, तब बाहरी हस्तक्षेप और आंतरिक आंदोलनों के माध्यम से उस प्रगति को प्रभावित करने के प्रयास किए गए। अन्ना आंदोलन के संदर्भ में भी ऐसे आरोप सामने आए हैं कि बाहरी शक्तियों ने इसमें भूमिका निभाई। डॉ. शुक्ला ने ज़ोर देकर कहा कि ठीक यही नीति संघ तथा भाजपा प्रारंभ से अपनाते रहे हैँ। हाँ, वह इसका प्रयोग हमारे देश के विभिन्न वर्गों, विभिन्न भाषा समूहोँ, विभिन्न क्षेत्रोँ के बीच करते रहे हैँ। हमारी निरीह और सरल जनता समझ नहीँ पा कर इनपर विश्वास कर लेती है। आज आसाम, केरल, व पुडुचेरी मैँ चुनाव प्रचार रुका, परसोँ वोट पड़ैंगे। उन्हैंने इन तीनोँ स्थानोँ के मतदाताओँ से अपील की कि इन लोगोँ के मुखौटे के पीछे की असलियत पहचानें, और अपने बेशकीमती वोट को ग़लत हाथोँ मेँ जाने से रोककर अपना व अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित रखेँ। जॉ. शुक्ला ने कहा कि आज आवश्यकता है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए आत्मनिर्भरता, आर्थिक स्वतंत्रता और रणनीतिक सतर्कता के साथ आगे बढ़े, जिससे ठीक उल्टी दिशामेँ यह संघ और भाजपा रूपी छद्म राष्ट्रभक्त हमें लेवदा रहे हैं। इतिहास से सीख लेकर भविष्य की दिशा तय करनी होगी।

डॉ.जया शुक्ला

टिहरी झील की लहरों में दिखेगा करतब

● प्रदेश में पहली बार ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के लिए गर्व और रोमांच से भरा एक ऐतिहासिक अवसर आने जा रहा है. उत्तराखंड में पहली बार 25 वीं ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. यह बहुप्रतीक्षित प्रतियोगिता 8 से 12 अप्रैल तक टिहरी झील स्थित डब्ल्यूएसएआई (वाटर स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर इंस्टीट्यूट) आईटीबीपी परिसर में आयोजित होगी।

देश भर की पुलिस और अर्धसैनिक बलों की टीमें इस प्रतियोगिता में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगी. प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ 9 अप्रैल को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया जाएगा. इस आयोजन को लेकर राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में असम राइफ़ल्स, सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फोर्स ,बॉर्डर सिक्योरिटी बल और आईटीबीबी सहित देशभर की कुल 19 टीमों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. प्रतियोगिता के दौरान कुल 52

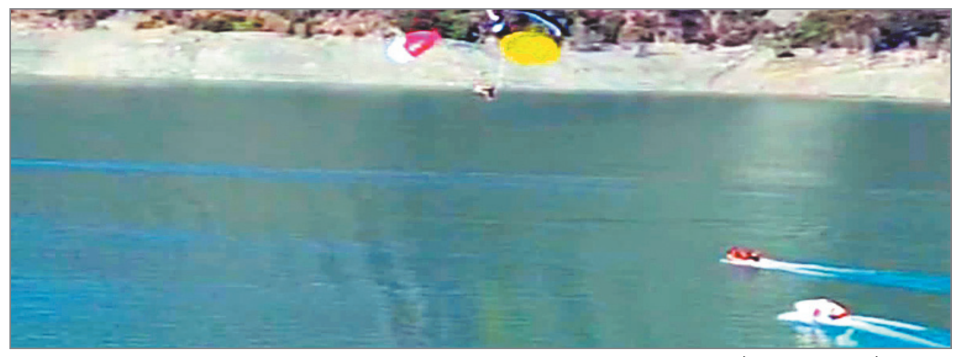

इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे, जिनमें कयाकिंग, कैनोइंग, रोइंग और अन्य रोमांचक जल क्रीड़ाएं शामिल हैं।

आईटीबीपी नॉर्दर्न फ्रंटियर के आईजी मनु महाराज ने प्रदेश वासियों से अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन उत्तराखंड के लिए गौरव का विषय है. उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाने का आह्वान किया है।

उनका कहना है कि इस तरह के आयोजन न केवल खेलों को बढ़ावा देते हैं, बल्कि राज्य की पर्यटन क्षमता को भी नई पहचान दिलाते हैं. टिहरी झील, जो पहले से ही अपने प्राकृतिक सौंदर्य और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए जानी जाती है, अब राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन के जरिए देशभर में एक नई पहचान बनाने जा रही है।

प्रतियोगिता के दौरान सुरक्षा, व्यवस्थाओं और खिलाड़ियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं. आईटीबीपी को इस आयोजन की पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं. इस आयोजन के जरिए उत्तराखंड को वॉटर स्पोर्ट्स के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

साथ ही यह प्रतियोगिता युवाओं को जल क्रीड़ाओं की ओर आकर्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. कुल मिलाकर 8 से 12 अप्रैल के बीच टिहरी झील खेल, रोमांच और देशभक्ति के रंग में रंगी नजर आएगी, जहां देश भर के जांबाज अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरते दिखाई देंगे।

फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज का आधा पड़ाव पार

● पुरुष वर्ग में सिंदारोव आगे, महिला वर्ग में दिव्या वैशाली के पास है मौका

साइप्रस (एजेंसी) ।फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज में सातवें राउंड के बाद पुरुष वर्ग में उज़्बेकिस्तान के 20 वर्षीय जावोखीर सिंदारोव 6 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है , उनका प्रदर्शन इतना शानदार रहा है की दूसरे स्थान पर चल रहे यूएसए के फैबियानो कारुआना उनसे 1.5 अंक पीछे 4.5 पर तो तीसरे स्थान पर काबिज भारत के आर प्रज्ञानन्दा और नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे 2.5 अंक पीछे 3.5 अंकों पर खेल रहे है , ऐसे में अब देखना यह है की जब दूसरे पड़ाव में बचे हुए सात राउंड में यह सभी खिलाड़ी

सिंदारोव के ख़िलाफ़ कैसा प्रदर्शन करते है और क्या विश्व कप से लगातार जारी सिंदारोव के विजय रथ पर अब कोई रोक लगा पाएगा ।एक दिन के विश्राम के पहले सातवें राउंड में चीन के वे यी नें रूस के आंद्रे एसिपेंको को मात देकर अपनी पहली जीत दर्ज की जबकि अन्य बाज़ियों में प्रज्ञानन्दा नें यूएसए के कारुआना से यूएसए के नाकामुरा नें जर्मनी के मैथियास ब्लूबम से और अनीश गिरी नें सिंदारोव से ड्रा खेला ।

महिला वर्ग में फ़िलहाल कोनेरू हंपी के हटने से अंतिम समय में शामिल हुई यूक्रेन की अन्ना मुज़्यचुक 4.5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रही है हालांकि लगातार दो जीत के दम पर भारत की आर वैशाली 4 अंक बनाकर दूसरे तो दिव्या देशमुख एक जीत और एक ड्रा खेलने के बाद 3.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुँच गई है ।वैशाली नें सातवें राउंड में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन तान झोंगयी को पराजित किया ।

बारिश की भेंट चढ़ा कोलकाता-पंजाब मैच

● केकेआर बुरी तरह हारने से बची, दोनों टीमों को मिला एक-एक अंक

नई दिल्ली (एजेंसी) ।आईपीएल 2026 का 12वां मुकाबला बारिश की भेट चढ़ गया।यह मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में चल रहा था।च्चक्रने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था।मुकाबले की पहली पारी में बैटिंग करने मैदान में उतरी टीम 3.4 ओवर ही खेल पाई थी कि बारिश के चलते मैच को रोकना पड़ा गया।टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 25 रन बनाए थे। क्रीज पर मौजूद अजिंक्य रहाणे 6 गेंदों में 08 रन और अंगकृष रघुवंशी ने 7 गेंदों में 07 रन बना कर खेल रहे थे। कोलकाता और पंजाब किंग्स के मैच में बारिश रुक गई थी।मगर कट–ऑफ टाइम तक खेल चालू नहीं हो पाया था जिसके कारण फैसला कैसे होगा आपके दिमाग में यह सवाल उठ रहा होगा? तो यहां जान लीजिए इसको लेकर बीसीसीआई का पूरा नया नियम क्या है? कट–ऑफ टाइम यानी रात 11 बजकर 14 मिनट तक मैच शुरू नहीं हो पाया है इसलिए यह मैच रद्द कर दिया गया।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप

प्रीति, प्रिया और अरुंधति फाइनल में पहुंचीं

● अब तक चार बॉक्सर फाइनल में, निखत जरीन और लवलीना टूर्नामेंट से बाहर

मंगोलिया (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटोर में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के लिए सोमवार का दिन मिला-जुला रहा। प्रीति पवार, प्रिया और अरुंधति चौधरी ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बना ली है। अब तक भारत की चार मुक्केबाज फाइनल में पहुंच चुकी हैं। प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को एकतरफा मुकाबले में हराकर गोल्ड मेडल की उम्मीद मजबूत कर दी है। वहीं, निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा।

प्रीति ने पेरिस ओलिंपिक मेडलिस्ट को शिकस्त दी- 54 केजी वेट कैटगिरी में प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कोरिया की एजी इम को 5-0 से हराया। वर्ल्ड बॉक्सिंग कप की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति ने तीनों राउंड में अपना नियंत्रण बनाए रखा और विपक्षी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। अब फाइनल में उनका मुकाबला चीनी ताइपे की हुवांग ह्सियाओ-वेन से होगा, जो तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं।

प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को हरा कर एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

प्रिया और अरुंधति भी फाइनल में- गोल्ड के लिए भिड़ेंगी- 60 किलोग्राम वेट कैटगिरी में प्रिया ने स्थानीय खिलाड़ी मंगोलिया की नामून मोंखोर को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। अब वे फाइनल में उत्तर कोरिया की उन ग्योंग वॉन से भिड़ेंगी। वहीं, 70 किलोग्राम कैटेगरी में अरुंधति चौधरी ने उज्बेकिस्तान की ओयशा तोइरोवा को 4-1 से हराया। फाइनल में उनका सामना कजाकिस्तान की बकित सेदिश से होगा। 60 किलोग्राम वेट कैटगिरी में प्रिया नेमंगोलिया की नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

बिजली कटने से अंकुशिता बोरो को अंकों के आधार पर हार मिली

65 किलोग्राम वेट में अंकुशिता बोरो और चीनी ताइपे की निएन–चिन चेन के बीच मैच के दौरान पहले राउंड के बाद बिजली गुल हो गई।काफी देर तक बाधा रहने के कारण मैच का फैसला पॉइंट्स के आधार पर किया गया, जिसमें अंकुशिता को 0–3 से हार का सामना करना पड़ा।

आज दो कैटगिरी का सेमीफाइनल– चैंपियनशिप के अगले दौर में 7 अप्रैल को भारत की दो और मुक्केबाज (48केजी और 57केजी कैटेगरी) अपने सेमीफाइनल मुकाबले खेलेंगी।

सट्टेबाजी का दबाव खिलाड़ियों को तोड़ रहा

● टारगेट पूरे करने के लिए एथलीट्स को परिजनों की हत्या की धमकी, अपशब्दों की बौछार

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।एक कॉलेज बास्केटबॉल खिलाड़ी मैच शुरू होने से पहले अपना मोबाइल खोलता है।स्क्रीन पर अजनबी का संदेश दिखता है,'सुनो, यह मजाक नहीं है। अगर तुमने आज 22 पॉइंट्स व 12 बाउंड्स नहीं बनाए, तो

तुम्हारे सभी करीबी मार दिए जाएंगे।' यह डरावना संदेश किसी फिल्म की पटकथा नहीं, बल्कि 2024 के एनसीएए (नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन) की स्टडी का हिस्सा है।

उस खिलाड़ी ने अभी कोर्ट पर कदम भी नहीं रखा था, न ही कोई शॉट मिस किया था। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि सट्टेबाजी की दुनिया में उसकी काबिलियत पर 'दांव' लगा था।हालांकि वह मैदान में उतरा और स्वाभाविक खेलने की कोशिश भी की।एक्सपर्ट कहते हैं,हम इस समय 'मार्च मैडनेस' के बीच में हैं– जो अमेरिकी खेलों में सबसे अधिक सट्टेबाजी वाला आयोजन है।

अनुमान है कि अकेले इस साल के टूर्नामेंट पर 25 हजार करोड़ रुपए दांव पर लगे हैं।हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की प्रोफेसर और मनोवैज्ञानिक एमी कडी कहती हैं,'आज के एथलीट सिर्फ शारीरिक थकान से नहीं, बल्कि नए मनोवैज्ञानिक खतरे से जूझ रहे हैं, जिसे 'सोशल–इवैल्यूएटिव थ्रेट' (सामाजिक परख का खतरा) कहते हैं।

व्यापार

सोने से सुरक्षित निवेश का दर्जा छीन रहा अमेरिकी डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर संकट के समय लोग सोने में निवेश करते हैं, लेकिन इस बार बड़ी संख्या में निवेशक डॉलर को ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और ब्याज दरें ऊंची रहने से डॉलर मजबूत हुआ है, जबकि सोने में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते दुनियाभर में सुरक्षित निवेश की रणनीति में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। आमतौर पर संकट के समय लोग सोने में निवेश करते हैं, लेकिन इस बार बड़ी संख्या में निवेशक डॉलर को ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और ब्याज दरें ऊंची रहने से डॉलर मजबूत हुआ है, जबकि सोने में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है।

सोने की अहमियत कायम: जब तक कच्चे तेल की कीमत ऊंची बनी रहेगी, महंगाई का डर बना रहेगा और बॉन्ड यील्ड ऊंची रहेगी, तब तक डॉलर को सोने पर बढ़त मिल सकती है। लेकिन सोने की अहमियत खत्म नहीं होगी। संभव है थोड़े समय सोना कमजोर रहे, लेकिन लंबे समय में सोना आर्थिक संकट, मुद्रा कमजोरी और वैश्विक अस्थिरता के खिलाफ सुरक्षा देने वाला निवेश बना रहेगा। युद्ध शुरू होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में पहले तेज उछाल आया था लेकिन बाद में 40 साल की ऐतिहासिक गिरावट भी देखी गई। सोना उच्चतम स्तर से अब तक करीब 15 प्रतिशत टूट चुका है। इस साल इसने 5,595.51 डॉलर के ऑल टाइम हाई को छुआ था। अब फिसलकर 4700 डॉलर के करीब बना हुआ है। गिरावट ने कई निवेशकों को हैरान कर दिया है, क्योंकि खासकर वे लोग जो ऊंचे दाम पर निवेश करने आए थे, अब उन्हें खासा नुकसान हुआ है।

टेक्सटाइल सेक्टर में बूम! 14 साल में 3 गुना बढ़ा बाजार, रिपोर्ट ने दिए बड़े संकेत

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का कपड़ा और अपैरल बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है और इसकी झलक हाल ही में जारी रिपोर्ट में साफ दिखाई देती है।वस्त्र मंत्रालय के सर्वे के अनुसार, देश का टेक्सटाइल मार्केट 2024 में बढ़कर 14.95 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो 2010 में सिर्फ 4.89 लाख करोड़ रुपये था, यानी पिछले करीब 14 साल में इस सेक्टर ने शानदार ग्रोथ दिखाई है और यह हर साल औसतन 8.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।इस तेजी के पीछे सबसे बड़ी वजह घरेलू मांग में लगातार इजाफा है।जैसे–जैसे लोगों की आय बढ़ रही है और लाइफस्टाइल बदल रहा है, वैसे–वैसे कपड़ों पर खर्च भी बढ़ता जा रहा है।रिपोर्ट के मुताबिक, आज के समय में सिंथेटिक और मिक्स फाइबर वाले कपड़ों की मांग सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ी है।इनका कुल बाजार में हिस्सा 52.2 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि कॉटन यानी सूती कपड़ों की हिस्सेदारी 41.2 प्रतिशत है।वहीं, सिल्क और ऊन जैसे रेगुलर फाइबर की हिस्सेदारी काफी कम है।खास बात यह है कि सिंथेटिक और मिक्स फाइबर का बाजार 2010 के 1.47 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 4.47 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को दर्शाता है।लोग अब ऐसे कपड़े पसंद कर रहे हैं। इस ग्रोथ में घरेलू उपभोक्ताओं का बहुत बड़ा योगदान है।रिपोर्ट के अनुसार, परिवारों द्वारा कपड़ों पर खर्च 2010 के 4.18 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 8.77 लाख करोड़ रुपये हो गया है, यानी कुल बाजार का बड़ा हिस्सा घरेलू खपत से ही आ रहा है।इसके अलावा प्रति व्यक्ति खर्च भी तेजी से बढ़ा है।2010 में जहां एक व्यक्ति औसतन 2,119 रुपये कपड़ों पर खर्च करता था, वहीं 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 6,066 रुपये हो गया है।यह दिखाता है कि लोग अब फैशन और ब्रांड्स पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

वंदे भारत के भोजन में फिर निकला कीड़ा !

ठेकेदार पर 10 लाख का जुर्माना और ठेका भी हुआ रद्द

अहमदाबाद, एजेंसी। भारतीय रेल की सबसे प्रतिष्ठित ट्रेन है वंदे भारत एक्सप्रेस । इस ट्रेन में भी अहमदाबाद से मुंबई जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के क्या कहने। देश में चल रही तमाम वंदे भारत में इसे बेहद प्रतिष्ठित माना जाता है। लेकिन इस ट्रेन के भोजन में भी कीड़ा निकले तो आप क्या कहेंगे जी हां, 22962 वंदे भारत एक्सप्रेस के भोजन में कीड़ा मिलने की घटना सोशल मीडिया पर आई है। इस घटना से आहत आईआरसीटीसी ने उस ट्रेन के कैटरिंग ठेकेदार पर 10 लाख रुपये का जुर्माना ठोक दिया है। साथ ही टर्मिनेश का नोटिस भी सर्व कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आदित्य डिडवानिया ने इस वाकये को अपने हैंडल पर शेयर किया है। उसने लिखा है कि उनके कोच में कम से कम दो व्यक्ति के भोजन में कीड़ा निकला। इसके बाद पीड़ित यात्रियों के साथ साथ अन्य यात्रियों ने परोसे गए भोजन को खाना बंद कर दिया।

ट्रेन का कैटरिंग ठेकेदार कौनः डिडवानिया ने अपने पोस्ट में बताया है कि इस ट्रेन का कैटरिंग ठेकेदार या लाइसेंसी कंपनी मेसर्स ब्रंदावन फूड प्रोडक्ट्स है। यह रेलवे के सबसे बड़े कैटरिंग ठेकेदार आरके अग्रवाल ग्रुप की कंपनी है। उस यात्री ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल मंत्रालय और भारतीय रेलवे कैटरिंग और टूरिज्म कॉर्पोरेशन आदि को टैग करते हुए इस कैटरिंग ठेकेदार के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।

ठेका रद्द होः वह लिखते हैं 'बस एक ही विनती है, उस ठेकेदार के यहां छापा मारें। मुझे विश्वास है कि उनके यहां के मानकों के अनुरूप भोजन नहीं बन रहा होगा। यदि ठेकेदार की गलती है तो उसका लाइसेंस रद्द करें।' आगे उन्होंने लिखा है 'उम्मीद है कि यह मामला रिश्वत लेकर रफा-दफा नहीं होगा। '

आईआरसीटीसी ने किया टर्मिनेटः इसी पोस्ट का जवाब देते हुए सरकारी कंपनी आईआरसीटीसी ने लिखा है, 'सर, असुविधा के लिए खेद है। इस मामले को को देखा गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ठेकेदार पर 10 लाख रुपये का जुर्माना ठोका गया है। साथ ही सर्विस प्रोवाइडर को टर्मिनेशन नोटिस भी जारी किया गया है।

फ्यूचर लाइफस्टाइल केस में बड़ा ट्विस्ट! कंपनी को मिली बड़ी राहत, 3 महीने में खत्म होगी दिवाला प्रक्रिया

नईदिल्ली, एजेंसी। रिटेल सेक्टर की प्रमुख कंपनी फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन्स लिमिटेड से जुड़े एक अहम मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायाधिकरण ने निर्देश दिया है कि कंपनी की दिवाला समाधान प्रक्रिया को अब तीन महीने के भीतर पूरा किया जाए, ताकि लंबे समय से चल रही इस प्रक्रिया को जल्द खत्म किया जा सके। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब कंपनी पहले ही वित्तीय संकट से जूझ रही है और इसके भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

दरअसल, इस मामले में एक लेनदार ने कंपनी की एक लीज (पट्टे) वाली संपत्ति को खाली कराने की मांग की थी, लेकिन राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने इस अपील को खारिज कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि फिलहाल उस संपत्ति पर रेजुलेशन प्रोफेशनल का कब्जा है और इसे खाली नहीं कराया जा सकता। यह संपत्ति कंपनी के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यहीं से उसका प्रमुख 'सेंट्रल' ब्रांड संचालित हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी के कुल कारोबार का 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा इसी एक लोकेशन से आता है।

न्यायमूर्ति योगेश खन्ना और अजय दास मेहरोत्रा की पीठ ने अपने आदेश में यह भी कहा कि कंपनी को एक चलती यूनिट के रूप में बनाए रखने के लिए इस संपत्ति का उसके पास रहना जरूरी है। अगर यह संपत्ति कंपनी के हाथ से निकल जाती है, तो उसकी संचालन क्षमता पर बड़ा असर पड़ सकता है और

दिवाला प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए अदालत ने संतुलन बनाते हुए संपत्ति को कंपनी के पास रखने का फैसला दिया। इसके साथ ही नेशनल कंपनी लॉ एपिलेट ट्रिब्यूनल ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण और समाधान पेशेवर को निर्देश दिया कि वे इस पूरी प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाएं और तीन महीने के भीतर इसे पूरा करने की कोशिश करें। यह कदम इसलिए भी अहम है, क्योंकि दिवाला प्रक्रिया में देरी से कंपनी की वैल्यू कम होती है और लेनदारों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)